● वर्ष-2
● अंक-237
रायपुर, शुक्रवार
26 मई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

मोदी के आदेश के बाद खोजने में ऐसे लगे 2 साल

पद्मा सुब्रमण्यम के खत के बाद शुरू हुई सेंगोल की तलाश

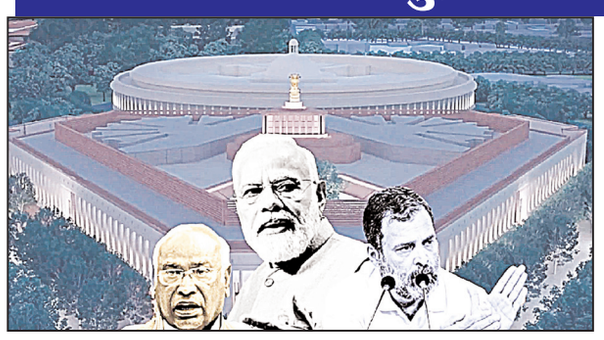

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 28 मई को संसद भवन का उद्घाटन करेंगे। वो संसद जो अपने निर्माण के साथ ही सियासी घमासान में फंसी हुई है। प्रधानमंत्री ऑस्ट्रेलिया से लौटे तो इसी पर इशारों में तंज भी कसा। विपक्ष के रवैये पर सवाल भी खड़े किए। संसद में 40 में से 20 दलों ने बहिष्कार का ऐलान किया वहीं बीजेपी समेत 17 दलों ने संसद में जाने की हामी भर दी है। कुछ दलों ने अपना स्टैंड साफ नहीं किया है। देश आजादी की 75वीं सालगिरह मना रहा है तो आत्मनिर्भर भारत की एक नई मिसाल पेश करेगा इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्पीकर की सीट के पास सेंगोल नामक एक ऐतिहासिक स्वर्ण राजदंड स्थापित करेंगे।

मदुरै के प्रधान पुजारी सेंगोल सौपेंगे

मदुरै अधीनम के 293वें प्रधान पुजारी श्री हरिहर देसिका स्वामीगल ने कहा कि मैं नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर पीएम मोदी से मिलूंगा और उन्हें सेंगोल भेंट करूंगा। अंग्रेजों से भारत में सत्ता के हस्तांतरण के प्रतीक का प्रतिनिधित्व करने के लिए 14 अगस्त, 1947 को पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा ऐतिहासिक राजदंड सेंगोल प्राप्त किया गया था। वही 28 मई को मदुरै अधीनम के प्रधान पुजारी द्वारा पीएम मोदी को सौंपा जाएगा। थिरुववदुथुराई अधीनम मठ के कम से कम 31 सदस्य दो जत्थों में चार्टर्ड फ्लाइट से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। 28 मई को होने वाले समारोह से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आवास पर ने उन्हें सम्मानित करेंगे।

अंग्रेजों से भारतीयों को सत्ता के हस्तांतरण का प्रतीक

सेंगोल का नाम तमिल शब्द सेम्मई से लिया गया है, जिसका अर्थ धार्मिकता है। राजदंड स्वतंत्रता का एक ऐतिहासिक प्रतीक है क्योंकि यह अंग्रेजों से भारतीयों को सत्ता के हस्तांतरण का प्रतीक है। सेंगोल चांदी से बना है। इस पर सोने की परत चढ़ी है। इसके शीर्ष पर नंदी विराजमान हैं जोकि न्याय का प्रतीक हैं। भारत की स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर लॉर्ड माउंटबेटन द्वारा देश के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू को सौंपा गया था।

पद्मा सुब्रमण्यम ने पीएम को पत्र लिखकर दी जानकारी

प्रधानमंत्री कार्यालय को सेंगोल के बारे में करीब दो साल पहले एक पत्र के माध्यम से पता चला। मशहूर डांसर पद्मा सुब्रमण्यम ने प्रधानमंत्री कार्यालय को इस बाबत एक चिट्ठी लिखी। इंडिया टुडे को दिए साक्षात्कार में पद्मा सुब्रमण्यम ने बताया कि पीएमओ को लिखी चिट्ठी में उन्होंने तमिल मैगजीन %तुगलक% के एक आर्टिकल का हवाला दिया। जिसमें 1947 में पंडित नेहरू को सेंगोल सौंपने की बात कही गई थी। कांची महास्वामी ने इसके बारे में मेटुस्वामी से बात की थी और फिर पूरी बात सुब्रह्मण्यम की तेवरम नामक तीन किताबों की सीरिज में भी ये बातें दोहराई गई हैं। सुब्रह्मण्यम ने कांची महास्वामी को सेंगोल के संबंध में उद्धृत किया है। तमिल संस्कृति में सेंगोल का बहुत महत्व है। सेंगोल केवल शक्ति ही नहीं न्याय का भी प्रतीक है।

मंत्रालय की टीम ढूंढ़ने में लगी

पीएमओ को डांसर पद्मा सुब्रमण्यम से मिली चिट्ठी प्राप्त होने के बाद सांस्कृति मंत्रालय एक्टिव हो गया। उन्होंने इंदिरा गांधी सेंटर फॉर आर्ट्स के एक्सपर्ट्स की मदद से सेंगोल की खोज शुरू की। विशेषज्ञों ने नेशनल आर्काइल ऑफ इंडिया से लेकर उस वक्त के तमाम अखबारों और दस्तावेजों में इसकी खोज की। आखिरकार सेंगोल इलाहबाद के म्युजियम में मिला।

समारोह में 25 पार्टियां होंगी शामिल

संसद भवन के उद्घाटन समारोह में 25 पार्टियां शामिल होंगी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एनडीए के 18 दलों के अलावा और भी सात दल शामिल होंगे। बीजेपी के अलावा युवाजन श्रमि?क रायथु कांग्रेस पार्टी , पटनायक की बीजू जनता दल, शिंदे गुट वाली शिवसेना, लोकजनशक्ति पार्टी, तेलुगू देशम पार्टी, नेशनल पीपल?स पार्टी, नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी, सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, अपना दल (सोनेलाल), रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले), तमिल मनीला कांग्रेस (मूपनार), ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, मिजो नेशनल फ्रंट, शिरोमणि अकाली दल, बसपा शामिल हैं।

उद्घाटन का पूरा कार्यक्रम

नई संसद पर सियासत के बीच सरकार की तरफ से शुभारंभ का पूरा प्लान शेयर किया गया है। इसमें बताया गया है कि सुबह 7ः30 से 8ः30 बजे हवन और पूजा। 9 बजे सेंगोल को स्थापित किया जाएगा। इसके लिए तमिलनाडु के मठ से 20 स्वामी मौजूद रहेंगे। दूसरा चरण दोपहर 12 बजे से राष्ट्रगान के साथ शुरू होगा। इस दौरान दो लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा डिप्टी चेयरमैन सहित कई मंत्री मौजूद रहेंगे। आखिरी में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन होगा और दोपहर 2ः30 बजे कार्यक्रम का समापन होगा।

इन दिनों

✍ अजय बोकिल

ये सवाल इतिहास हमेशा पूछेगा...

इसमें दो राय नहीं कि 28 मई 2023 को नवनिर्मित संसद भवन का उद्घाटन प्रसंग एक साथ कई इतिहास बनाने वाला है। ये इतिहास वैचारिक संकल्पबद्धता का, उसे दरकिनार करने का, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का, क्षुद्र और दीर्घकालीन राजनीति का, श्रेय न लेने-देने का और ऐसा करने न देने का श्रेय लेने का, हिंदुत्व की परिभाषा में सभी समुदायों के फिट होने का, स्वतंत्र भारत के एक और अनूठे वास्तुशिल्प के लोकार्पित होने का और इस बात को पुनर्परिभाषित करने का कि लोकतंत्र का वास्तुशिल्पीय स्वरूप क्या हो तथा यह भी क्या नई वास्तु भारत के डेढ़ सौ करोड़ नागरिकों के मनोभाव को प्रतिबिंबित करने में सक्षम है? बेशक सवाल कई हैं। नए संसद भवन का उद्घाटन महज एक रस्म अदायगी नहीं है, जिसे किसी ने भी निभा दिया। यह भावी पीढ़ी को सौंपी जाने वाली लोकतांत्रिक विरासत है, जिसके राजनीतिक और सामाजिक पहलुओं को लेकर आने वाली नस्लें सवाल करती रहेंगी। यह उन चुनिंदा वास्तु शिल्पों में से है, जिसे हमने लोकतांत्रिक व्यवस्था को अंगीकार करने के बाद बनाया है। अब यह लगभग तय है कि लोकतंत्र में निहित असहमति के सम्मान के मूल्य के बरखिलाफ नए संसद भवन के लोकार्पण समारोह में कांग्रेस और उसके नेतृत्व में 20 विपक्षी दल इस ऐतिहासिक आयोजन का बहिष्कार करेंगे। हालांकि नए संसद भवन के औचित्य, आवश्यकता वास्तुशिल्प को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं, लेकिन फिलहाल जिस बात को विरोध का मुद्दा बनाया जा रहा है, वो है देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बजाय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों इसका लोकार्पण कराना। नए संसद भवन के लोकार्पण का बहिष्कार प्राथमिक तौर पर क्षुद्र राजनीति लगती है, लेकिन इसका संदेश गहरा और दूरगामी होगा। इसे केवल विपक्षी एकता की एक और कोशिश अथवा कर्नाटक चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस की बढ़ती आक्रामकता के तौर पर ही देखना सही नहीं होगा। जहां तक तकनीकी तौर पर संसद भवन के उद्घाटन की बात है तो प्रधानमंत्री को उतना ही अधिकार है। वैसे भी जब मोदीजी हर वंदे मातरम् ट्रेन को हरी झंडी दिखा रहे हैं तो ये तो संसद भवन का मामला है, उस संसद भवन का, जिसके वो नेता हैं और करोड़ों हिंदुओं के आदर्श हैं। लिहाजा यह उद्घाटन इस मायने में भी ऐतिहासिक है क्योंकि यह भव्य भवन एक हिंदू राजपुरुष द्वारा देखे गए सपने, एक हिंदू वास्तुशिल्पकार द्वारा डिजाइनीकृत, हिंदुत्व विचारधारा के पुरोधा की जयंती पर उद्घाटित, हजारों हिंदू श्रमिकों (जिनमें कुछ दूसरे धर्मों के भी हो सकते हैं) के हाथों निर्मित व भारत के विश्व गुरू बनने के मंगलाचरण का महाघोष करता स्थापत्य है। ऐसे स्थापत्य के लोकार्पण के लिए मोदी से बेहतर कोई हो ही नहीं सकता। जहां तक कांग्रेस की बात है तो संसद भवन के लोकार्पण के बहाने वो जो मोदी विरोध का नरेटिव खड़ा करना चाहती थी, उसमें उसे आंशिक सफलता ही मिली है। क्योंकि 17 ऐसे विरोधी दल इस समारोह में शामिल हो रहे हैं, जिनके लिए मोदी समर्थन से ज्यादा कांग्रेस विरोध महत्वपूर्ण है तथा जो लोकतंत्र के इस नए मंदिर के उद्घाटन को दलीय दुराग्रहों से ऊपर उठकर देख रहे हैं। यानी विपक्ष भी पूरी तरह एक नहीं है।

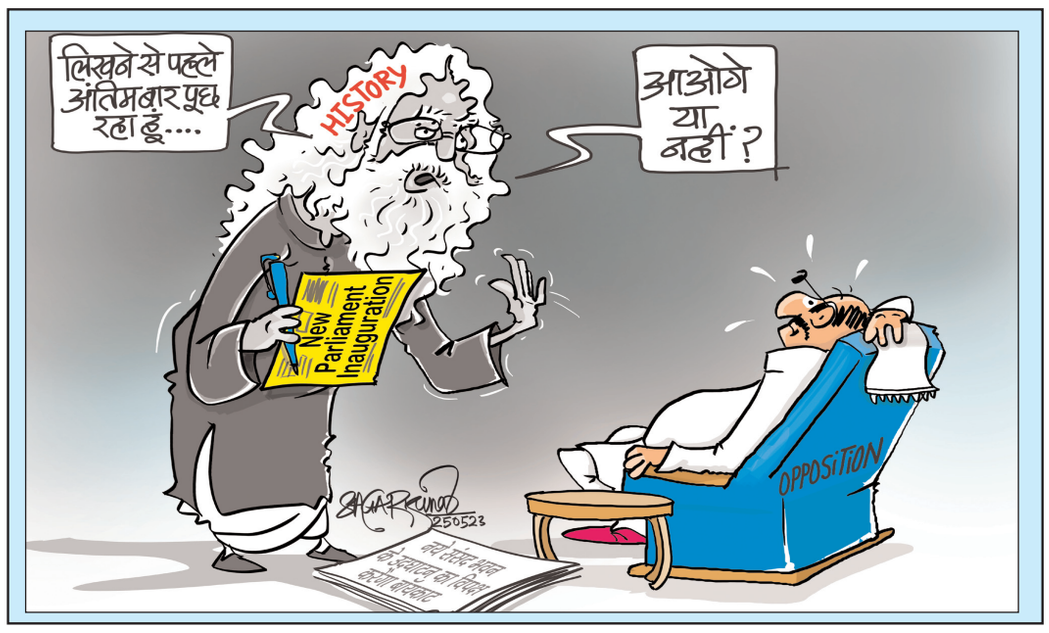

अगले साल तक चलेगी तीन तरह की वंदे भारत

नई दिल्ली। अगले साल फरवरी-मार्च तक वंदे भारत ट्रेनों के तीन संस्करण - वंदे चेयर कार, वंदे मेट्रो और वंदे स्लीपर- होंगे। शताब्दी, राजधानी और लोकल ट्रेनों की जगह लेने की तैयारी कर रही ये स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड ट्रेनें चेन्नई की इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री में बनाई जा रही हैं। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को यह बात कही।

मंत्री ने न्यूज एजेंसी पीटीआई-भाषा को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि वंदे भारत ट्रेनों की अधिकतम गति 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के लिए अगले तीन से चार साल में रेल पटरियों को अपग्रेड किया जाएगा।

उन्होंने बताया, वंदे भारत के तीन प्रारूप हैं। 100 किलोमीटर से कम की यात्रा के लिए वंदे मेट्रो, 100-550 किलोमीटर के लिए वंदे चेयर कार और 550 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए वंदे स्लीपर।

उत्तराखंड के देहरादून से दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशन तक वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत के बाद वैष्णव ने कहा, %ये तीनों प्रारूप फरवरी-मार्च (अगले साल) तक तैयार हो जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली-देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई।

यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस उत्तराखंड के लिए इस तरह की पहली ट्रेन राज्य की राजधानी और राष्ट्रीय राजधानी के बीच यात्रा के समय को देहरादून-नई दिल्ली रेलवे स्टेशन शताब्दी एक्सप्रेस में लगने वाले छह घंटे और 10 मिनट से घटाकर साढ़े चार घंटे कर देती है।

वैष्णव ने कहा कि हर राज्य को जून के मध्य तक वंदे भारत ट्रेन मिल जाएगी। मंत्री ने कहा कि इन ट्रेनों के उत्पादन में तेजी लाई जा रही है। उन्होंने कहा, हर आठवें या नौवें दिन कारखाने से एक नई ट्रेन निकल रही है। दो और फैक्ट्रियों में काम शुरू होने जा रहा है। इन कारखानों की आपूर्ति श्रृंखला स्थिर होने के बाद हमारे पास एक नई ट्रेन आएगी।

वंदे भारत ट्रेनों को 160 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति के साथ डिजाइन किया गया है, लेकिन वे ट्रैक क्षमता के अनुसार 130 किमी प्रति घंटे तक की गति से चलेंगी। पुराने ट्रैक को 70 से 80 किमी प्रति घंटे के बीच की गति का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

प्रमुख समाचार

मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मिलने का समय मांगेंगे केजरीवाल

नईदिल्ली। दिल्ली सरकार के खिलाफ केंद्र के अध्यादेश को लेकर दिल्ली के सीएम और आप नेता अरविंद केजरीवाल लगातार विपक्षी नेताओं से

मुलाकात कर रहे हैं। बुधवार को शिवसेना और एनसीपी प्रमुख से मुलाकात के बाद कहा कि वह इस मामले को लेकर कांग्रेस नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। केजरीवाल ने कहा कि कल, मैं इस मुद्दे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मिलने के लिए समय मांगूंगा। हालांकि, देखना दिलचस्प होगा की कांग्रेस नेताओं की ओर से उन्हें समय दिया जाता है या नहीं। दिल्ली कांग्रेस के कई नेता केजरीवाल को लेकर लगातार अपना विरोध जता रहे हैं।

चार राज्यों के साथ ही होंगे महाराष्ट्र में विस चुनाव: देशमुख

मुंबई। बीते कुछ दिनों से महाराष्ट्र की राजनीति में अचानक सियासी हलचल तेज हो गई है। बुधवार की देर शाम को महाविकास अघाड़ी गठबंधन के बड़े घटक दल एनसीपी के प्रमुख नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसके अलावा सोमवार को कांग्रेस के विधायकों की भी एक बड़ी बैठक की गई। शिवसेना के बड़े नेता उद्धव ठाकरे ने एनसीपी के नेताओं से मुलाकात कर विधानसभा चुनाव की तैयारियों जुट जाने को कहा है। भाजपा ने महाराष्ट्र में बड़े नेताओं की रैलियों जनसभा और कार्यक्रमों की तैयारियां शुरू कर दी हैं।महाविकास अघाड़ी गठबंधन के घटक दलों की शुरू हुई अचानक बैठकों से सियासी गलियारों में यही चर्चाएं हो रही हैं कि अगले कुछ दिनों में महाराष्ट्र में चुनाव हो सकते हैं। देशमुख ने कहा कि पार्टी की जो बैठक हुई है, उसमें अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं को किसी भी वक्त और कभी भी विधानसभा के चुनाव होने पर मजबूती से जमीन पर लड़ने के लिए तैयार रहने को कहा है।

अगला चुनाव 5 साल के बाद होगा या नहीं? मुझे नहीं पता, कुमारस्वामी ने सरकार के भविष्य पर जताया संदेह

बेंगलुरु। कर्नाटक में नई कांग्रेस सरकार के

लंबे समय तक सत्ता में बने रहने पर संदेह जताते हुए जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने गुरुवार को कहा कि इसका भविष्य 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि उनका बयान केवल राज्य की राजनीतिक स्थिति के उनके विश्लेषण पर आधारित है और इसका गलत अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए, जैसे वह (भाजपा) किसी के साथ हाथ मिलाकर कुछ कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे नहीं पता कि अगला (विधानसभा) चुनाव पांच साल के बाद होगा या नहीं, क्या होगा, मुझे नहीं पता, देखते हैं। इस सरकार भविष्य आगामी संसदीय चुनावों के परिणामों पर निर्भर है।

जलाशय में गिरा अफसर का मोबाइल, निकालने के लिए पम्प से तीन दिन बर्बाद किया गया पानी

कांकेर। कांकेर जिले के पखांजुर में एक अजीबो-गरीबो मामला सामने आया है। जहां पखांजुर क्षेत्र का सबसा बड़ा खेरकट्टा परलकोट जलाशय के ओवर फ्लो में फूड ऑफिसर साहब का एक महंगा फोन लगभग 15 फिट गहरा पानी में गिर गया। पानी मे गिरे फोन को निकालने के लिए पिछले तीन दिन से 30 एचपी का पम्प लगाकर जलाशय के ओवर फ्लो टैंक को खाली किया गया फिर गुरुवार सुबह जाकर फोन को निकाला गया। दरअसल कोयलीबेड़ा ब्लॉक के फूड ऑफिसर राजेश विश्वास सोमवार को छुट्टी मनाने खेरकट्टा परलकोट जलाशय पहुचे थे, जहां पर फूड ऑफिसर साहब का महंगा फोन खेरकट्टा परलकोट जलाशय में ओवर फ्लो होकर बहने वाले पानी मे गिर गया। पानी लबालब 15 फिट तक भरा हुआ था। जिसके बाद अधिकारी का फोन ढूंढने के

अंतरिक्ष अनुसंधान के मूल स्रोत प्राचीन ग्रंथ ही हैं, इसरो चेयरमैन का दावा

नई दिल्ली। सब वेदों में हैं! इस बार खुद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने ऐसा दावा किया है। उनके अनुसार विज्ञान के मौलिक कथन वेदों में समाहित हैं। वहीं से आधुनिक विज्ञान की उत्पत्ति हुई। हालांकि बाद में इन्हें पश्चिमी वैज्ञानिकों का आविष्कार माना जाता है। सोमनाथ ने यह भी कहा कि संस्कृत भाषा में प्राचीन भारत में ज्ञान और विज्ञान की प्रथाओं के बीच कोई विभाजन नहीं था। दर्शन और विज्ञान का अनौपचारिक तरीके से अभ्यास किया जाता था। इसरो अध्यक्ष मध्य प्रदेश के उज्जयनी में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। वहां उनका दावा है कि बीजगणित, वर्गमूल, समय की अवधारणा, वास्तुकला, ब्रह्मांड की संरचना, धातु विज्ञान, यहां तक ??कि विमानन सभी का उल्लेख पहले वेदों में किया गया था। हालांकि बाद में मूल विचार अरब होते हुए यूरोप पहुंचे। इसे पश्चिमी वैज्ञानिकों द्वारा

सियासी पचड़े में फंसा मध्यवर्ग, किसकी कीमत पर किसे हो रहा है फायदा

शंकर अय्यर

हर कुछ महीनों में भारत का मध्यवर्ग किसी ऐसे नीतिगत फैसले को लेकर खुद को तेज विमर्श में फंसा पाता है, जिससे उसके औचित्य और समृद्धि की भावना आहत होती है। समकालीन राजनीति में यह कहानी काफी हद तक दोतरफा है। नीतिगत निर्णयों को संबद्धता के नजरिये से इस तरह तौला जाता है, मानो प्रत्येक निर्णय अच्छा है या फिर सारे निर्णय बेकार हैं। और ऐसे में अक्सर, तर्क और मध्यवर्ग की आवाज को खामोश कर दिया जाता है।

पिछले हफ्ते विदेश यात्रा के दौरान इंटरनेशनल डेबिट या क्रेडिट कार्ड से लेन-देन पर लिबरलाइज्ड रेमिटेन्स स्कीम (एलआरएस) की ढाई लाख रुपये की सीमा के तहत उच्च कर थोपने को लेकर आक्रोश था। पहले इस पर पांच प्रतिशत कर लगाने का प्रावधान था, लेकिन जुलाई, 2023 से प्रभावी नई व्यवस्था के तहत 20 फीसदी कर लगाया जाएगा। सरकार ने विदेशी मुद्रा लेन-देन के लिए सात लाख रुपये की सीमा को भी समाप्त कर दिया है। इस कर को स्रोत पर एकत्रित कर (टीसीएस) के रूप में वर्गीकृत किया जाता था, इसके लिए अनिवार्य रूप से करदाता को जिम्मेदार माना जाता है, जब तक कि कुछ और सिद्ध न हो।

यह सच है कि वार्षिक कर देनदारी

के बरक्स वर्ष के अंत में क्षतिपूर्ति के नियम दिए गए हैं। यह भी उतना ही सच है कि इसका अनुपालन कठिन होगा, जिसमें कई चरण और दस्तावेज शामिल होंगे। एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ नागरिक की मुश्किल की कल्पना कीजिए, जिसे रिटर्न भरने की जरूरत नहीं है और यदि वह पोते-पोतियों से मिलने के लिए विदेश यात्रा करे या उस असहाय नागरिक के बारे में विचार करें, जो रिटर्न भरने तथा रिफंड का दावा करने के लिए बैंक, कार्ड कंपनी, सीए और आईटी विभाग के चक्कर लगा रहा है।

तथ्य यह है कि लोग अपनी वह बचत खर्च करते हैं, जिस पर वे कर चुकाते हैं। इसलिए प्रभावी रूप से नया नियम मेहनत से अर्जित की गई बचत पर 20 प्रतिशत का उपभोग कर लगाएगा। चार्टेड अकाउंटेंट और स्टार्ट अप निवेशक मोहनदास पई ने कहा, लोगों को केवल रिफंड का दावा करने के लिए भुगतान क्यों करना चाहिए? व्यापार सुगमता और ईमानदार करदाता के हित में 20 फीसदी टीसीएस को वापस लेना चाहिए। यदि जरूरी ही हो, तो दो फीसदी कर लगाना चाहिए। हम बेईमान नहीं हैं!इसमें बदलाव को लेकर जो आक्रोश था, उस पर सरकार ने एक स्पष्टीकरण जारी किया, एक जुलाई, 2023 से एलआरएस के तहत छोटे लेन-देन के लिए टीसीएस के औचित्य को लेकर चिंता जताई गई है। किसी भी अस्पष्टता से बचने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि किसी व्यक्ति द्वारा अपने अंतरराष्ट्रीय डेबिट या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके प्रति वित्तीय वर्ष सात लाख रुपये तक के भुगतान को एलआरएस सीमा से बाहर रखा जाएगा और इसके लिए कोई टीसीएस नहीं लगेगा।नीति की मंशा को लेकर स्पष्टता और सूचना की कमी के कारण मध्यवर्ग की परेशानियां अक्सर बदतर हो जाती हैं। जरा तथ्यों पर विचार कीजिए। भारत 37 खरब डॉलर से अधिक की जीडीपी के साथ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। ऐसा नहीं हो सकता कि मजबूत राजस्व संग्रह को देखते हुए इसका उद्देश्य अपने खजाने के लिए ब्याज मुक्त नकदी प्रवाह एकत्र करना होगा। यह विदेशी मुद्रा की कमी के कारण भी नहीं हो सकता है। इस हफ्ते रिजर्व बैंक ने बताया कि विदेशी मुद्रा भंडार में 599.53 अरब डॉलर है, और चालू खाता बचत में भी सुधार हुआ है।

जीवन सुगमता और व्यवसाय सुगमता के घोषित उद्देश्य और इच्छित परिणाम के लिए अपनाए जाने वाले तरीके के बीच का विरोधाभास हैरान करने वाला है। मौजूदा शासन स्वरोजगार को बढ़ावा दे रहा है और यह घोषणा करने में गर्व महसूस करता है कि भारत रोजगार सृजकों की अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। फिर भी यह उन पेशेवरों पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने पर कायम है, जिनके पास खर्चों पर भुगतान किए गए जीएसटी की भरपाई करने का अवसर नहीं है। वास्तव में भुगतान किए गए सभी करों के योग- जीएसटी को आयकर के साथ जोड़ दें- से आय पर कर के सही स्तर का पता चलता है।

पिछले शुक्रवार को जब रिजर्व बैंक ने 2,000 रुपये के नोट की चरणबद्ध तरीके से वापसी की घोषणा की, तो सोशल मीडिया और व्हाट्सएप समूह में भी लोगों ने इसका जश्न मनाया।

माओवादियों के सप्लाई नेटवर्क पर प्रहार

■ पुलिस ने 100 बोरी चांवल और विस्फोटक जब्त किया

बीजापुर। बुधवार को पुलिस ने माओवादियों के सप्लाई नेटवर्क पर प्रहार किया। पुलिस ने माओवादियों के लिए ले जाए जा रहे अनाज सहित विस्फोटक व माओवादी पर्चे जब्त किये हैं। पुलिस ने एक सहयोगी को भी गिरफ्तार किया हैं। उसने पूछताछ में माओवादियों तक सामान पहुंचाने की बात स्वीकार की हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक माओवादियों के सप्लाई नेटवर्क के विरुद्ध पुलिस व सुरक्षाबल के जवानों द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी के चलते माओवादियों के उपयोग के लिए ले जाए जा रहे 100 बोरी चांवल (नीलकंठ सुगंध चांवल) विस्फोटक, पर्चा आदि सामान पुलिस द्वारा जब्त किया गया।

बताया गया है कि बीजापुर पुलिस को एक सूचना मिली थी कि चेरपाल निवासी निर्मल जुमड़े पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी के

माओवादी कैडर के लिंगेश, शांती विज्जी द्वारा डिवीजन के शीर्ष माओवादी कैडरों के उपयोग के लिए उच्च स्तर के सुगन्धित चांवल तथा विस्फोटक सामाग्री और पर्चे सप्लाई के लिए एक सप्ताह पूर्व नगद रुपये दिए गए हैं।

इस सूचना की बीजापुर पुलिस तस्दीक कर रही थी। तभी मंगलवार को चेरपाल निवासी संदेही निर्मल जुमड़े से पूछताछ करने पर उसके द्वारा स्वीकार किया गया कि 19 मई 2023 को माओवादी लिंगेश, शांती विज्जी ने संपर्क कर बाजार से लगभग 25 क्विंटल चांवल तथा एक अन्य माओवादी कोरियर से विस्फोटक सामाग्री व अन्य सामग्री ले कर माओवादियों तक पहुंचाने के लिए एडवांस साठ हजार रुपये नगद राशि दी है। संदेही निर्मल जुमड़े के निशानदेही पर माओवादियों को सप्लाई करने के लिए रखी गई 25 -25 किलो की 100 बोरी चांवल,, एक सफेद बोरी के थैले के अंदर रखा 8 नग डेटोनेटर, 10 नग जिलेटिन, लगभग 20 मीटर कोडेक्स वायर, 100 नग नक्सली पर्चा, एक नग माओवादी बैनर, माओवादी साहित्य आदि सामग्री जब्त की गई।

पुलिस अधीक्षक अंजनेय वाष्णेय ने बताया कि माओवादियों की सप्लाई नेटवर्क के विरुद्ध की गई, इस कार्यवाही संदर्भ में जिला बीजापुर के अपराध क्रमांक 59/2023 धारा 120(बी) भादवि. 4,5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 13(1) ख, 23 वि. वि. क्रि. क.नि. अधि.1967 मामला पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक रिमांड पर विशेष न्यायालय दंतेवाड़ा में पेश किया गया हैं।

बालोद-जामगांव मार्ग को रनचिरई बस्ती से होकर निर्माण कार्य कराने हुआ धरना प्रदर्शन

बालोद। छग शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा एडीबी सहायित अंडा-रनचिरई-जामगांव मार्ग जो कि छग राज्य सड़क क्षेत्र परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन है इसके निर्माण में ग्राम-रनचिरई से होकर गुजरने वाली इस मार्ग को रनचिरई मुख्य बस्ती के बाहर से बायपास बनाया जा रहा है जिसके विरोध में ग्रामीणों ,स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा विपक्षी दल के नेताओं ने चक्का जाम व धरना प्रदर्शन कर अपना रोष व्यक्त किया। विदित हो कि उपरोक्त मार्ग निर्माण के पुराने व प्रारंभिक डीपीआर में मार्ग को रनचिरई बस्ती से बनाना प्रस्तावित था लेकिन उसे बदलकर अब इस मार्ग को रनचिरई बस्ती से दूर बायपास मार्ग के रूप में बनाया जा रहा है जिसके कारण ग्रामीणों में गहरी नाराजगी व्याप्त है और ग्रामीण चक्काजाम करने को विवश हो गए हैं। प्रभावित ग्रामीणों की मांग है कि मार्ग को बस्ती से होकर गुजरना चाहिए लेकिन संबंधित अधिकारियों ने ग्रामीणों को अंधेरे में रखकर गोपनीय तरीके से नया प्रस्ताव तैयार किया है जिसके कारण मार्ग को बस्ती से दूर बायपास बनाया जा रहा है। धरना प्रदर्शन में उपस्थित आमजनों को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र चंद्राकर ने कहा कि जिस मार्ग को बस्ती के भीतर से होकर गुजरना था उसे बायपास बनाया जा रहा है यह ग्रामीणों की मंशा के विरुद्ध है। पूर्व में डीपीआर में जिस प्रकार से मार्ग को बनाया

जाना था लेकिन विभागीय अधिकारियों द्वारा विधायक निवास में चुनिंदा लोगों के साथ चर्चा करके नया डीपीआर तैयार किया गया है जिसके फ्लस्वरूप यह बायपास मार्ग बनाया जा रहा है। इसके लिए निश्चित रूप से हमारे जिले के विधायक व मंत्री जैसे बड़े जनप्रतिनिधि जिम्मेदार हैं जो जनता का वोट लेकर विभिन्न पदों पर तो पहुंच गए हैं लेकिन जब आमजनों की समस्याओं के निराकरण की बात आती है तो पीछे हट जाते हैं उनका किसी भी प्रकार से जनसमस्याओं से सरोकार नहीं होता। हम सब पूरी एकजुटता के साथ इस लड़ाई को लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस धरना प्रदर्शन को अन्य लोगों ने भी संबोधित किया। इस दौरान प्रमुख रूप से मुख्य लोग भाजपा नेता इंद्रपाल चन्द्राकर ,गोमती डूपेन्द्र साहू जनपद सदस्य ,घनश्याम चन्द्राकर ,विनय गुप्ता,मनीष सिन्हा, धर्मेन्द्र साहू ,अजय साहू ,सुधिर साहु ,डोमन लाल ,इन्द्रजीत साहू ,भीम साहू, शिव सिन्हा आदि उपस्थित रहे।

पीएससी परीक्षा परिणाम में अनियमितता का आरोप

■ भाजयुमो कोरबा ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

कोरबा। हाल ही में जारी हुए छत्तीसगढ़ पीएससी ् के परीक्षा परिणाम में भ्रष्टाचार और अनियमितता का आरोप लगाकर उसके विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा ज़िला कोरबा ने कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा की पीएससी- 2021 की परीक्षा के नतीजों में मेरिट में स्थान पाने वाले चेयरमैन टामन सोनवानी सहित कांग्रेस नेता तथा उद्योगपतियों के बच्चों के नाम टॉप 20 में है। इसे महज़ संयोग मान लेना संभव नहीं है। छत्तीसगढ़ के होनहार युवाओं के साथ धोखा हुआ है पीएससी 2021 के जारी नतीजों को लेकर कई आशंकाएं है जिनका निदान जरूरी है।

भाजयुमो जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने कहा कि हम यह नहीं कहते की अफ्सरों और नेताओं के बच्चे मेरिट में नहीं आ सकते, लेकिन इस परिणाम में टॉप 20 में ऐसे लोगों की भरमार है और सीजी पीएससी चेयरमैन के कई रिश्तेदार भी इसमें चुने गए हैं। युवा मोर्चा की मांग है कि उक्त जारी परिणाम को निरस्त करते हुए उच्च न्यायिक जांच की जाए, जिससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए।

उक्त ज्ञापन सौंपने में जिलाध्यक्ष पंकज सोनी, नरेंद्र देवांगन, उपाध्यक्ष रंजू यादव, दिव्यांश अग्निहोस्त्री, बृजेश यादव, सुभाष राठौर, अजय कवर, कुदमुरा मंडल अध्यक्ष धनंजय चौहान, कोरबा मंडल अध्यक्ष रामावतार पटेल, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष दिनेश सेन, दर्री मंडल अध्यक्ष मुकुंद कंवर, दीनदयाल पटेल, असलम, सचिन पटेल, सुदेश चंद्रा, मंजीत यादव, तनय गोस्वामी शिवम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

10वीं बरसी पर याद किए गए झीरम के शहीद उदय मुदलियार

कांग्रेसजनों ने दी दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि, शहीद महेंद्र कर्मा की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

राजनांदगांव। बस्तर के झीरम नक्सल हमले को 23 मई 2013 को शहीद हुए कांग्रेसजनों को आज पूरे 10 बरस हो गए। गुरुवार को इस हमले में मारे गए कांग्रेस के दिवंगत नेताओं श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें याद किया गया। स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने पूर्व विधायक उदय मुदलियार और उनके साथी अलानूर भिंडसरा की शहादत को नमन करते पुष्पांजलि अर्पित की। शहर के पोस्ट ऑफिस चौक में स्थित मुदलियार की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन के फूल अर्पित किए गए। झीरम हादसे को कांग्रेसियों ने काला दिवस के रूप में याद करते केंद्रीय जांच एजेंसियों पर सवाल भी उठाए।

दिवंगत नेता स्व. उदय मुदलियार के सुपुत्र जितेन्द्र मुदलियार ने पिता की 10वीं बरसी पर श्रद्धांजलि अर्पित करते कहा कि यह घटना परिवार के लिए हमेशा काले अध्याय के समान है। छत्तीसगढ़ के बड़े शीर्ष सांगठनिक नेता वारदात में शहीद हो गए थे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही है जबकि केंद्रीय जांच एजेंसियां खानापूर्ति का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि दिवंगत नेताओं के परिवारों को न्याय मिलेगा। कांग्रेस शहर अध्यक्ष कुलबीर छाबड़ा ने कहा कि नक्सल हमले में छत्तीसगढ़ के बड़े नेता शहीद हुए थे। उन्हें आज याद करके श्रद्धांजलि दी गई। महापौर हेमा देशमुख ने कहा कि 10वीं बरसी पर सभी दिवंगत नेताओं को सच्ची श्रद्धांजलि देकर याद कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसियां शहीदों को न्याय देने के मामले में बाधा उत्पन्न कर रही है। जिस दिन शहीदों को न्याय मिलेगा वह सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इससे पूर्व स्थानीय कांग्रेस भवन में संगोष्ठी सभा आयोजित कर झीरम घाटी के शहीदों को दो मिनट की मौन श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पोस्ट ऑफिस चौक स्थित उदय मुदलियार एवं शहीद अलानूर

भिडंसरा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित की। इस अवसर पर फिरोज अंसारी, अमित चंद्रवंशी, महेश साहू, मनीष साहू, मेहुल भाई, सूर्यकांत जैन, श्रीकिशन खंडेलवाल, आसिफ अली, दुलारी साहू, चंद्रकला देवागन, माया शर्मा, अब्बास खान, मनीष गौतम, शाहिद भाई, राजीव सोलंकी, चेतन भानुशाली, अमित कुशवाह, अब्दुल कलाम, नितिन बत्रा समेत अन्य कांग्रेसी शामिल थे।

मोहन मरकाम दंतेवाड़ा पहुंचकर दी झीरम के शहीदों को श्रद्धांजलि

दंतेवाड़ा। देश के सबसे बड़े नक्सली हमलों में से एक झीरम घाटी घटना को 10 साल बीत चुके हैं। आज ही के दिन झीरम घाटी में नक्सलियों ने

कांग्रेस के नेताओं समेत 32 लोगों की हत्या की थी। पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने झीरम घाटी के शहीदों को ट्विट करके श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने अपने ट्विट में लिखा है कि %है नमन उनको कि जो देह को अमरत्व देकर,इस जगत में शौर्य की जीवित कहानी हो गये हैं !एक दशक पूर्व आज ही के दिन नक्सलियों द्वारा किये गये कायरता पूर्ण हमले में शहीद हुए हमारे शीर्ष नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं वीर जवानों के शहादत दिवस पर शत् शत् नमन करता हूँ। झीरम हमले में शहीद हुए हमारे सभी नेताओं एवं वीर जवानों की शहादत को अनंत काल तक याद किया जाएगा।'

दरभा ब्लॉक के झीरम में शहीदों को नमन कर दी श्रद्धांजलि

जगदलपुर। संसदीय सचिव व जगदलपुर विधायक रेखचंद जैन एवं इंद्रावती विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष राजीव शर्मा के नेतृत्व में गुरुवार सुबह अपने सहयोगियों के संग यहां से करीब 50 किमी दूर दरभा ब्लॉक के झीरम में जहां 30 से अधिक कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं, सुरक्षा कर्मियों व अन्य नागरिक जनों की शहादत हो गई थी, वहां पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात झीरम शहीद स्मारक में दीप प्रज्वलित कर शहीदों के तैल चित्र पर माल्यार्पण किया।

उल्लेखनिय है कि लगभग एक दशक पूर्व 25 मई 2013 को सुकमा के कांग्रेस सम्मेलन से लौट रहे कांग्रेस नेताओं के काफिले पर नक्सलियों ने झीरम घाटी में हमला कर दिया था, जिसमें पूर्व नेता प्रतिपक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा तथा दंतेवाड़ा विधायक महेंद्र

कर्मा, तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नंद कुमार पटेल, पूर्व विधायक उदय मुदलियार, दिनेश पटेल व अन्य सम्मिलित थे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता विद्याचरण शुक्ल गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिनकी बाद में उपचार के दौरान दिल्ली के वेदान्ता अस्पताल में मृत्यु हो गई थी।

इस दौरान चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम, इंद्रावती विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष राजीव शर्मा, सत्तार अली, अनवर खान, जीशान कुरैशी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजकुमार झा, सांसद प्रतिनिधि महादेव नाग, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बलिराम कश्यप, लक्ष्मण कश्यप, रुक्मणी कर्मा, तुलाराम कश्यप, एमआइसी सदस्य राजेश राय, पार्षद सूर्या पाणि, दयाराम कश्यप, सुखराम नाग, एल्डरमेन सुरेन्द्र झा, कौशल नागवंशी, अमरनाथ सिंह, हरीश साहू, गौरनाथ नाग, संतोष सिंह, जयदेव नाग, विजय सिंह, कुलदीप भदौरिया, मान सिंह ठाकुर, बेलसर बेसरा, अभय सिंह, राजीव युवा मितान क्लब के पदाधिकारियों समेत जगदलपुर व दरभा ब्लॉक के अनेक कांग्रेसजन मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

रेत खदान में बदमाशों ने मारपीट कर की लूट

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद स्थित रेत खदान में बुधवार देर रात नकाबपोश बदमाशों ने हमला कर दिया। वहां सो रहे कर्मचारियों पर धारदार हथियार से वार किया और रुपये व मोबाइल लूटकर भाग निकले। सुबह किसी तरह कर्मचारी थाने पहुंचे और मामला दर्ज कराया। इसके बाद घायल कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि जिले में अपनी तरह का यह पहला मामला है, जब रेत खदान में घुसकर लूटपाट की गई है। मामला बालोद थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, वनांचल क्षेत्र के हर्राठेमा खदान में बुधवार देर रात करीब 3 बजे छह से सात नकाबपोश बदमाशा धारदार हथियार लेकर घुस आए। इस दौरान वहां काम करने वाले दो कर्मचारी मशीन पर सो रहे थे। बदमाशों ने आते ही उन पर हमला कर दिया। पेट और पैर में चोट लगने से कर्मचारी वहीं गिर पड़े। इसके बाद बदमाश उनसे रुपये और मोबाइल लूटकर भाग गए। दोनों घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

तेज रफ्तार बस पलटने के बाद ट्रक में घुसी, 12 से ज्यादा घायल

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में गुरुवार को तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इसके चलते 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इसमें तीन की हालत गंभीर है। घायलों में बच्चे भी शामिल हैं। बस की रफ्तार इतनी तेज थी कि सड़क पर पलटने के बाद घिसटते हुए सामने से आ रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद घायलों को 108 एंबुलेंस से स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे का कारण तेज रफ्तार ही बताया जा रहा है। मामला कटघोरा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, कोरबा से बांगो जाने के लिए सिटी बस निकली थी। अभी बस कटघोरा से आगे जेंजरा चौक के पास पहुंची थी कि अनियंत्रित होकर पलट गई। इसके बाद घिसटते हुए सामने से आ रहे ट्रक में जो घुसी। हादसा होते ही बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। यह देखकर आसपास के लोग मौके पर दौड़े और वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकालने का काम शुरू हुआ। इस बीच सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई।

गांव का गौठान उपलब्धि भरा : उमा रिगरी

दुर्ग। दुर्ग ब्लाक के ग्राम पंचायत पुरई की सरपंच श्रीमतीं उमा रिगरी ने कहा छग सरकार की गांव गांव की गौठान योजना उपलब्धि भरा है। छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजना के तहत गांव गांव गौठान बनाया गया है। गौठान एवं चारागाह की देखरेख के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में गौठान समिति बनाया गया है। गांव की पुरानी व्यवस्था के अनुसार ग्वाला अपने टेंट के पशुधन को मालिक के यहां से गौठान में लाते और उन्हें गौठान में एकत्रित करते हैं। गांव की जनसंख्या व रकबा के हिसाब से एक गांव में एक से लेकर लगभग आठ ग्वाला रहते हैं।पूरे गांव का पशुधन एकत्रित होने के बाद ग्वाला अपने अपने टेंट के पशुधन को लगभग 11 बजे चारागाह भूमि में चराने ले जाते है। गोधूली बेला में पशुधन को पानी पीलाकर मालिक के घर छोड़ देते हैं।यह प्रक्रिया रजुतिया तिहार से फागुन तक रहता है। फिर ग्वालों की छुट्टी हो जाती है।इस बीच पशुधन अपने हिसाब से चारागाह भूमि में चराई करते हैं। राज्य सरकार ने इसी ग्रामीण व्यवस्था को और अच्छा करने के उद्देश्य से गौठान योजना प्रारंभ किया है।

कोयला खदानों से प्रतिदिन करोड़ों रुपयों की डीजल चोरी

कोरबा। संयुक्त केंद्रीय श्रमिक संगठन ने बुधवार को साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की दीपिका कोयला खदान से बेरोकटोक हो रही डीजल चोरी और डीजल चोरों द्वारा एसईसीएल कर्मचारियों पर किए जाने वाले प्राण घातक हमलों के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया और दीपका क्षेत्र के महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर कामगारों को सुरक्षा दिए जाने की मांग की। संयुक्त केंद्रीय श्रमिक संगठन में एचएमएस, बीएमएस, इंटकए सीटू और एटक श्रमिक संगठन शामिल हैं। दीपिका महाप्रबंधक को दिए गए ज्ञापन में श्रमिक नेताओं ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में सक्रिय डीजल चोर दुस्साहस पूर्वक डंपर, ट्रिपर और डीजल से चलने वाली मशीनों को रोककर डीजल की चोरी कर रहे हैं और प्रबन्धन मौन है। ज्ञापन में कहा गया है कि रात्रि पाली में डंपर ऑपरेटरों से मारपीट कर और उनका मोबाइल छीन कर डंपर से डीजल निकालकर ले जाया जा रहा है। डीजल चोर डंपर की केबिन पर पत्थरों से हमला करते हैं जिसके चलते किसी ऑपरेटर की मौत भी हो सकती है।

आंगनबाड़ी सहायिका के दावा आपत्ति 7 जून तक

सूरजपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना क्षेत्रान्तर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवेदन के साथ संलग्न दस्तावेजों के आधार पर विकास खण्ड स्तरीय मुल्यांकन समिति द्वारा तैयार अंतिम (प्रावधिक) चयन सूची सर्व साधारण की सूचना हेतु एतद्द्वारा जारी (प्रकाशित) की जाती है। इस सूची के विरूद्ध किसी अभ्यर्थी को किसी प्रकार की कोई दावा, आपत्ती हो तो वे अपना दावा आपत्ती सुसंगत दस्तावेजों के साथ 07 जून 2023 तक कार्यालयीन समय में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में अपना दावा, आपत्ती प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात दावा आपत्ती स्वीकार्य नहीं किये जायेंगे। दावा आपत्ती केवल इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्य कार्यालयों में दावा आपत्ति प्रस्तुत करने पर मान्य नहीं होगा। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि दावा, आपत्ती में कोई भी ऐसा नवीन दस्तावेज जो पूर्व में आवेदन के साथ जमा नहीं किया गया है और दावा आपत्ती के दौरान प्रस्तुत करने से मैरिट लिस्ट प्रभावित हो स्वीकार्य नहीं किये जायेंगे।

विधायक की पहल पर पुल-पुलिया और सडक़ के लिए राशि मंजूर

■ भरतपुर-सोनहत विधासभा में विकास को लगेंगे पंख

मनेंद्रगढ़। सविप्रा उपाध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्तभरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो कीसराहनीय पहल पर विधानसभा क्षेत्रांतर्गत नदियों में उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण हेतु ।राज्य सरकार के द्वारा करीब 30 करोड़ रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। बहुप्रतीक्षित पुल और सडक़ों का निर्माण होने से ग्रामीण इलाकों में विकास को पंख लगेंगे। स्वीकृत राशि 4 करोड़ 63 लाख 2 हजार की लागत से मनेंद्रगढ़ विकासखंड में बिछियाटोला से कोतमा मार्ग स्थित बरने नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य कराया जाएगा। इससे ग्राम डिहुली, रोझी, केंवटी, भालूडांड़, केल्हारी, मनवारी, डुगला,सेमरिहा, डाड़हंसवाही, बिछियाटोला गांवों को आवागमन में सहूलियत होगी। वहीं 4 करोड़ 88 लाख 87 हजार की लागत से सोनहत विकासखंड में नवाटोला से ग्राम देवतीडांड़ मार्ग स्थित बुडक़ी नदी

पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य होने से ग्राम हर्राडीह, बंशीपुर,चंदहा, नवाटोला व देवतीडांड़ सहित अन्य गांवों के ग्रामीण सहजतापूर्वक आवागमन कर सकेंगे। पुल के अलावे विधानसभा क्षेत्र में बहुप्रतीक्षित सडक़ों के लिए विधायक कमरो का निरंतर प्रयास रंग लाया है। नाबार्ड योजनांतर्गत वर्ष 2022-23 के बजट में शामिल भरतपुर-सोनहत विधानसभा अंतर्गत उजियारपुर से राधारमननगर पहुंच मार्ग लंबाई 6.50 किलोमीटर निर्माण कार्य हेतु 7 करोड़ 74 लाख 15 हजार की राशि मंजूर की गई है। बता दें कि इस सडक़ के बनने से ग्राम पंचायत सोनवर्षा के ग्रामीण आजादी के बाद पहली बार मुख्य मार्ग से जुड़ सकेंगे जिससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। सोनवर्षा और राधारमननगर के ग्रामीण वर्तमान में जान जोखिम में डालकर जंगल के रास्ते आवागमन करते हैं। इससे उन्हें अनेकों प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।वहीं सडक़ नहीं होने की वजह से क्षेत्र विकास की मुख्य धारा से नहीं जुड़ सका है। इसी प्रकार केल्हारी मुख्य मार्ग से रतौरा-धरमपुर-महाई पहुंच मार्ग लंबाई 7 किलोमीटर निर्माण कार्य हेतु 5 करोड़ 40 लाख 39 हजार रूपए की स्वीकृति शासन की ओर से प्रदान की गई है। इससे ग्राम रोकड़ा, बडक़ाबहरा,केराबहरा, रतौरा, धरमपुर एवं महाई के ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत होगी। वहीं गिरवानी से डौकाडांड़ पहुंच मार्ग लंबाई 4436 किलोमीटर पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य हेतु 6 करोड़ 82 लाख 34 हजार रूपए की प्रशासकीय मंजूरी प्रदान की गई है। इसके बनने से सडक़ से लगे गांव कुंवारपुर, तिलौली, तोजा, तोजी, बहरासी, मन्नौढ़, फुलझर, संगौरा सहित समूचे भरतपुर विकासखंड के लोगों को बिलासपुर सहित पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश आने-जाने में सहूलियत होगी।

धनंजय के नेतृत्व में शिवसेना का तोड़ो मोर्चा यात्रा अभियान

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शिवसेना के प्रदेश प्रमुख धनंजय सिंह परिहार के नेतृत्व में 23 मई दिन मंगलवार से पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में तोड़ो मोर्चा यात्रा निकाला गया जिसकी शुरुआत शिवरीनारायण जिला जांजगीर चांपा से शुभ आरंभ की गई है यह जानकारी शिवसेना पार्टी जिला बेमेतरा प्रमुख दाऊ राम चौहान ने दी है आगे चौहान ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रमुख धनंजय सिंह परिहार के द्वारा शिवरीनारायण में पूजा अर्चना कर छोड़ो मोर्चा यात्रा की शुरुआत किया गया है यह तोड़ो मोर्चा यात्रा भ्रष्टाचार के खिलाफ गरीबों के ऊपर अन्याय अत्याचार शोषण के खिलाफ बेरोजगारों को रोजगार नहीं दिए जाने के खिलाफ किसानों को उनका हक अधिकार नहीं दिए जाने के खिलाफ मितानिन बहनों को उनका हक अधिकार दिलाने के खिलाफ एवं

छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा घोषणा पत्र में पूरे प्रदेश में शराबबंदी का वादा किया गया था एवं गांव गांव में गौठान बनाया गया जहां पर गौ माता के लिए ना तो चारा है और ना ही पानी की व्यवस्था है ऐसे छत्तीसगढ़ प्रदेश के विभिन्न मुद्दों को लेकर आज हमारे छत्तीसगढ़ प्रदेश मुखिया शिवसेना पार्टी के प्रदेश प्रमुख धनंजय जी परिहार के नेतृत्व में शिवरीनारायण मैं पूजा अर्चना कर पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में तोड़ो मोर्चा यात्रा अभियान चलाया जा रहा उक्त इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तर के समस्त पदाधिकारी एवं जिला स्तर के समस्त पदाधिकारी गण सम्मिलित हुए जिसकी जानकारी समस्त जिला के जिला प्रमुखों के द्वारा अपने-अपने जिला के पदाधिकारी एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं को तोड़ो मोर्चा यात्रा अभियान के कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर यह कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

मोदी ने दिल्ली-देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली-देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए बृहस्पतिवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न चुनौतियों के बावजूद भारत ने जिस तरह अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है, उसकी दुनिया सराहना करती है। प्रधानमंत्री ने राज्य में नए विद्युतीकृत रेल खंडों को भी राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, '' देश को समझने के लिए दुनियाभर से पर्यटक भारत आना चाहते हैं। उत्तराखंड के लिए यह बड़ा अवसर है।'' समारोह को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि वह अभी-अभी तीन देशों की यात्रा से लौटे हैं और कह सकते हैं कि पूरी दुनिया भारत की ओर बड़ी उम्मीद से देख रही है। यहां रेलवे स्टेशन पर हुए इस कार्यक्रम में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मौजूद थे । यह रेलगाड़ी सप्ताह के छह दिन देहरादून से सुबह सात बजे चलकर पौने बारह बजे दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। वंदे भारत रेलगाड़ी विधिवत रूप से 28 मई से संचालित होगी।

केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ शरद पवार से मिले केजरीवाल

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से मिलने के एक दिन बाद, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल गुरुवार को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण केंद्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, आप सांसद राघव चड्ढा, दिल्ली की मंत्री आतिशी और पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद रहे। यशवंतराव चव्हाण केंद्र पहुंचने पर एनसीपी नेताओं ने आप नेताओं का स्वागत किया। दिल्ली को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश के खिलाफ केजरीवाल लगातार विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। केजरीवाल का यह दौरा कोलकता से शुरू हुआ है। उन्होंने सबसे पहले ममता बनर्जी से मुलाकात की थी। इसके बाद वह मुंबई पहुंचे थे। बुधवार को उन्होंने उद्धव ठाकरे से मुलाकात की थी।

सत्येंद्र जैन की तबीयत बिगड़ी आईसीयू में रखा गया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की तबीयत और भी बिगड़ गई है। अब उन्हें दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल से एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया है। सत्येंद्र जैन को एलएनजेपी अस्पताल में आईसीयू में ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। तिहाड़ जेल में चक्कर खाकर गिरने के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का बयान सामने आया है। केजरीवाल ने कहा कि भगवान सब देख रहे हैं, वह सबके साथ न्याय करेंगे। केजरीवाल ने ट्वीट किया- जो इंसान जनता को अच्छा इलाज और अच्छी सेहत देने के लिए दिन-रात काम कर रहा था, आज उस भले इंसान को एक तानाशाह मारने पर तुला है। दिल्ली के मुख्यमंत्री खबर को शेयर करते हुए आगे लिखा कि उस तानाशाह की एक ही सोच है - सबको खत्म कर देने की, वो सिर्फ मैं में ही जीता है। वो सिर्फ खुद को ही देखना चाहता है।

सरकार बदलते ही नए संसद भवन में होगा दूसरा काम : ललन

पटना। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा है कि अगर 2024 में केंद्र की सरकार बदलती है तो नए संसद भवन का इस्तेमाल दूसरे कार्य के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संसद भवन के जरिए इतिहास बदलने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हम इतिहास बदलने के भागीदार नहीं बनेंगे। दरअसल, भाजपा बार-बार कह रही है कि बिहार विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया और उसमें राज्यपाल तक को नहीं बुलाया गया। इसी को लेकर ललन सिंह से सवाल पूछा गया था। ललन सिंह इस पर पूरी तरह से भड़क गए। वहीं, भाजपा ने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि नीतीश कुमार में हिम्मत हो तो घोषणा करें की नये संसद भवन में उनके सदस्य पाँव भी नहीं रखेंगे और इस्तीफ़ा दे देंगे। भाजपा के सुशील मोदी ने कहा कि बिहार में राज्यपाल को क्यों नहीं बुलाया था जब असेंबली के नये भवन का उद्घाटन हुआ था?

नए संसद के उद्घाटन को लेकर विपक्ष का बहिष्कार अनुचित है

लखनऊ। नए संसद भवन का उद्घाटन को लेकर मोदी सरकार को मायावती का साथ मिला है। इसको लेकर मायावती ने ट्वीट भी किए हैं। मायावती ने कहा कि केन्द्र में पहले चाहे कांग्रेस पार्टी की सरकार रही हो या अब वर्तमान में बीजेपी की, बीएसपी ने देश व जनहित निहित मुद्दों पर हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उनका समर्थन किया है तथा 28 मई को संसद के नये भवन के उद्घाटन को भी पार्टी इसी संदर्भ में देखते हुए इसका स्वागत करती है। बसपा सुप्रीमो ने आगे कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा नए संसद का उद्घाटन नहीं कराए जाने को लेकर बहिष्कार अनुचित है। सरकार ने इसको बनाया है इसलिए उसके उद्घाटन का उसे हक है। इसको आदिवासी महिला सम्मान से जोड़ना भी अनुचित है। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि यह उन्हें निर्विरोध न चुनकर उनके विरुद्ध उम्मीदवार खड़ा करते वक्त सोचना चाहिए था।

तीन देशों के यात्रा से लौटे पीएम मोदी, कहा- आज दुनिया भारत को सुनने के लिए आतुर है

हर पल का इस्तेमाल देश की भलाई के लिए किया : प्रधानमंत्री

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि तीन देशों की अपनी छह दिवसीय यात्रा के दौरान उन्होंने हर पल का इस्तेमाल भारत की भलाई के लिए किया। इससे पहले, भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने स्वदेश लौटने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पालम हवाई अड्डे के बाहर उनका स्वागत करने के लिए एकत्र लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि वह विदेशों में भारत और यहां के लोगों की ताकत के बारे में आत्मविश्वास से बोलते हैं और दुनिया सुनती है क्योंकि यहां के लोगों ने पूर्ण बहुमत की सरकार चुनी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व के नेता जानते हैं कि वह जो कहते हैं वह भारत के 140 करोड़ लोगों की आवाज है। उन्होंने कहा कि भारत के सामने अपनी जड़ें मजबूत करने की चुनौतियां हैं। साथ ही भारत नई ऊंचाई पर पहुंचने की दिशा में भी काम कर रहा है जैसा कि दुनिया उससे उम्मीद करती है।

उन्होंने कहा, चुनौतियां बड़ी हैं। लेकिन चुनौतियों को चुनौती देना मेरे स्वभाव में है। उन्होंने उत्साहित भीड़ के सामने विश्वास जताया कि उनकी सरकार समय रहते इन उम्मीदों को पूरा करने में सफल होगी। उन्होंने कहा कि देश से वैश्विक उम्मीदें बढ़ रही हैं। मोदी ने यात्रा के दौरान प्रशांत द्वीपीय देशों के लोगों द्वारा दिए गए सम्मान के बारे में बात की और कहा कि महामारी के दौरान उन्हें भेजे गए कोविड-19 टीकों के लिए इन देशों ने भारत के प्रति आभार भी जताया। विदेशों में टीके भेजने के सरकार के फैसले की आलोचना करने वालों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा इन्हीं लोगों ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान अन्य देशों को टीके देने के फैसले पर सवाल उठाए थे। याद रखिए, यह बुद्ध की भूमि है, यह गांधी की भूमि है। हम अपने दुश्मनों की भी परवाह करते हैं, हम करुणा से प्रेरित लोग हैं।

आलोचकों पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि दुनिया भारत की कहानी सुनने को इच्छुक है। उन्होंने कहा कि भारतीयों को अपनी महान संस्कृति और परंपराओं के बारे में बोलते समय कभी भी गुलाम मानसिकता से पीड़ित नहीं होना चाहिए और इसके बजाय साहस के साथ बोलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वह कहते हैं कि हमारे देश के तीर्थ स्थलों पर कोई भी हमला स्वीकार्य नहीं है तो दुनिया भी इससे सहमति व्यक्त करती है। मोदी ने बुधवार को अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज के समक्ष ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले की घटनाओं का मुद्दा उठाते हुए उन्हें भारत की चिंताओं से अवगत कराया था।

उन्होंने कहा कि सिडनी में भारतीय समुदाय के कार्यक्रम के दौरान न केवल ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री और सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्य मौजूद थे, बल्कि एक पूर्व प्रधानमंत्री और विपक्षी दलों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों की मजबूती रेखांकित करते हुए कहा कि यह भारतीयों के प्रति उनके सम्मान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि देश भर में आयोजित 150 से अधिक बैठकों में जी-20 प्रतिनिधियों के भारत में हुए स्वागत ने दुनिया को बहुत प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, मैंने जिन नेताओं और अन्य लोगों से मुलाकात की, वे भारत द्वारा जी-20 की अध्यक्षता इतनी शानदार तरीके से किए जाने को लेकर बहुत मंत्रमुग्ध थे और सभी ने इसकी सराहना की है। यह सभी भारतीयों के लिए बहुत गर्व की बात है। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी दुनिया में भारत की बढ़ती छवि और प्रतिष्ठा के लिए मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की। जयशंकर ने कहा, मोदी के नेतृत्व के कारण दुनिया नए भारत को नए नजरिए से देख रही है।

प्रधानमंत्री ने संसद के नये भवन के उद्घाटन कार्यक्रम का बहिष्कार कर रहे विपक्षी दलों पर भी अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय समुदाय के कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री का आना हम सभी के लिए गौरव की तो बात है ही, लेकिन इतना ही नहीं, उस समारोह में पूर्व प्रधानमंत्री भी थे, विपक्ष के सांसद थे, सत्ता पक्ष के सांसद थे, सब के सब मिलजुल कर भारतीय समुदाय के इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि ये यश मोदी का नहीं है, हिंदुस्तान के पुरुषार्थ का है, 140 करोड़ हिन्दुस्तानियों के जज्बे का है। प्रधानमंत्री ने अल सुबह पहुँचे कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ाते हुए कहा कि आज यहां जो लोग उपस्थित हैं वो मोदी जी को प्यार करने वाले लोग नहीं हैं, ये मां भारती को प्यार करने वाले लोग हैं। ये हिंदुस्तान को प्यार करने वाले लोग हैं। हिंदुस्तान का नाम रोशन होता है तो 140 करोड़ देशवासियों का जज्बा नई ऊंचाइयों को छू लेता है।

पीएम ने आगे कहा, मैं दुनिया के देशों में जाकर, दुनिया के महापुरुषों से मिल कर के हिंदुस्तान के सामर्थ्य की बात करता हूं, हिंदुस्तान की युवा पीढ़ी की प्रतिभा की चर्चा करता हूं और अवसर मिलने पर भारत के नौजवान कैसा पराक्रम कर दिखलाते हैं, ये मैं दुनिया में जा कर बतलाता हूं। मेरे देश की महान संस्कृति का गौरवगान करते हुए मैं आंखें नीची नहीं करता हूं। आंखें मिला कर बात करता हूं। पीएम मोदी ने अपनी विदेश यात्रा को लेकर कहा कि उन्होंने इस पूरी में जितना समय मिला, देश की बात की।

मोदी सरकार के 'अहंकार' ने संसदीय प्रणाली को 'ध्वस्त' कर दिया : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर बृहस्पतिवार को निशाना साधते हुए कहा कि 'एक व्यक्ति के अहंकार और स्व-प्रचार की इच्छा' ने देश की प्रथम आदिवासी महिला राष्ट्रपति को इस भवन का उद्घाटन करने के संवैधानिक विशेषाधिकार से वंचित कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के 'अहंकार' ने संसदीय प्रणाली को 'ध्वस्त' कर दिया है। खरगे ने ट्वीट किया, ''मोदी जी, संसद जनता द्वारा स्थापित लोकतंत्र का मंदिर है। राष्ट्रपति का पद संसद का प्रथम अंग है। आपकी सरकार के अहंकार ने संसदीय प्रणाली को ध्वस्त कर दिया है।''

उन्होंने कहा, ''140 करोड़ भारतीय जानना चाहते हैं कि भारत के राष्ट्रपति से संसद भवन के उद्घाटन का हक छीनकर आप क्या जताना चाहते हैं?'' कांग्रेस की इस टिप्पणी से एक दिन पहले ही करीब 20 विपक्षी दलों ने मोदी द्वारा संसद के नए भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने के फैसले की घोषणा की। कांग्रेस, वाम दल, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी समेत 19 विपक्षी दलों ने संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने की घोषणा की और आरोप लगाया कि केंद्र की मौजूदा सरकार के तहत संसद से लोकतंत्र की आत्मा को ही निकाल दिया गया है।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि संसद के नए भवन का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को करना चाहिए और अगर ऐसा नहीं होता है तो उनकी पार्टी उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, ''कल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रांची में झारखंड उच्च न्यायालय में देश के सबसे बड़े न्यायिक परिसर का उद्घाटन किया। एक व्यक्ति के अहंकार और स्व-प्रचार की इच्छा ने प्रथम आदिवासी महिला राष्ट्रपति को 28 मई को नयी दिल्ली में संसद के नए भवन के उद्घाटन के उनके संवैधानिक विशेषाधिकार से वंचित कर दिया है।''

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा नए संसद भवन का विवाद

नए संसद भवन के उद्घाटन का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल हुए एक जनहित याचिका में मांग की गई है कि संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्वारा किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि कई विपक्षी दल पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा संसद भवन के उद्घाटन का विरोध करते हुए कार्यक्रम के बहिष्कार की बात कह चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट के वकील सीआर जया सुकिन ने यह जनहित याचिका दाखिल की है। इसमें कहा गया है कि उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति को शामिल नहीं करके भारत सरकार ने भारतीय संविधान का उल्लंघन किया है। ऐसा करके संविधान का सम्मान नहीं किया जा रहा है। याचिका में कहा गया है कि संसद भारत का सर्वोच्च विधायी निकाय है। भारतीय संसद में राष्ट्रपति और दो सदन (राज्यों की परिषद) राज्यसभा और जनता का सदन लोक सभा शामिल हैं। राष्ट्रपति के पास किसी भी सदन को बुलाने और सत्रावसान करने की शक्ति है। साथ ही संसद या लोकसभा को भंग करने की शक्ति भी राष्ट्रपति के पास है। सर्वोच्च न्यायालय में गुरुवार को एक जनहित याचिका दायर की गई है। कहा गया है कि राष्ट्रपति को उद्घाटन समारोह से बाहर करके, सरकार ने भारतीय संविधान का उल्लंघन किया है। संविधान का सम्मान नहीं किया जा रहा है। इसमें मांग की गई है कि संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्वारा किया जाना चाहिए।

खेल
प्रमुख समाचार

आईपीएल फाइनल देखने आएंगे तीन क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने गुरुवार को कहा कि आईपीएल के बाद एशिया कप 2023 के भविष्य के बारे में चर्चा की जाएगी। एशिया कप के मेजबान को लेकर अभी तक मामला नहीं सुलझा है। जहां एक तरफ पाकिस्तान इस टूर्नामेंट की मेजबानी करने का राग अलाप रहा है, वहीं एशियाई क्रिकेट काउंसिल नए मेजबान की तलाश में जुटा हुआ है। दरअसल, एसीसी के अध्यक्ष जय शाह हैं और उन्होंने पिछले साल ही कहा था कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। उन्होंने कहा था कि इसे किसी तटस्थ देश में कराया जा सकता है। अब इस मामले में जय शाह ने नया अपडेट दिया है। उन्होंने कहा है कि एशिया कप को लेकर अंतिम फैसला आईपीएल 2023 फाइनल के बाद लिया जाएगा।

जय शाह ने कहा, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के संबंधित अध्यक्ष 28 मई को अहमदाबाद आएंगे। ये सभी नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले टाटा आईपीएल 2023 फाइनल की शोभा बढ़ाएंगे। हम एशिया कप 2023 के संबंध में भविष्य की कार्रवाई की रूपरेखा तैयार करने के लिए उनके साथ चर्चा करेंगे। दिलचस्प बात इसमें यह है कि इसमें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजम सेठी का नाम नहीं है। यानी उन्हें आमंत्रण नहीं भेजा गया है। इससे पहले श्रीलंका क्रिकेट और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने इस साल के एशिया कप टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर करने के मामले में बीसीसीआई का समर्थन किया था। नजम सेठी एशिया कप को अपने देश में कराने के लिए आतुर हैं। पाकिस्तान इसका विरोध कर रहा है और उसने हाईब्रिड मॉडल की भी पेशकश की थी। पीसीबी के टूर्नामेंट को %हाइब्रिड मॉडल% पर आयोजित करने के प्रस्ताव को सदस्य देशों द्वारा अस्वीकार कर दिया गया था। इस मॉडल में कहा गया था कि पाकिस्तान अपने सारे मैच अपने देश में ही खेलेगा। वहीं, टीम इंडिया अपने मैच यूएई, दुबई, ओमान या फिर श्रीलंका में खेल सकती है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

अंतिम घंटे में खरीदारी से सेंसेक्स 61,873 अंक पर बंद

नईदिल्ली। स्थानीय शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी लौटी और कारोबार के अंतिम घंटे में तेज लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 99 अंक के लाभ में रहा। वायदा एवं विकल्प खंड में मासिक सौदों के निपटान के अंतिम दिन होने के साथ उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 98.98 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 61,872.62 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 61,934.01 अंक तक गया और नीचे में 61,484.66 अंक तक आया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी की शुरुआत कमजोर रही। लेकिन अंत में यह 35.75 अंक यानी 0.20 प्रतिशत के लाभ के साथ 18,321.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स और महिंद्रा और महिंद्रा प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

वेदांता ने हिंदुस्तान जिंक में गिरवी रखे अपने शेयर

नईदिल्ली। अनिल अग्रवाल की वेदांता लिमिटेड ने हिंदुस्तान जिंक में अपनी लगभग सभी हिस्सेदारी गिरवी रख दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी ने 22 मई को एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज लिमिटेड के पक्ष में 13.94 करोड़ शेयर या कुल इक्विटी का 3.3 फीसदी गिरवी रखा है। बता दें कि हिंदुस्तान जिंक में प्रमोटर वेदांता की 64.92 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसे कंपनी ने लगभग पूरी तरह से गिरवी रख दिया है। कंपनी ने पिछले महीने एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज के साथ हिंदुस्तान जिंक में 10 करोड़ शेयर या अपनी इक्विटी का 2.44 प्रतिशत हिस्सा गिरवी रखा था, जिसके बाद से हिंदुस्तान जिंक में कुल गिरवी हिस्सेदारी 91 प्रतिशत हो गई। इस खबर के आने से हिंदुस्तान जिंक के शेयर में गिरावट देखने को मिली है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी के शेयर सुबह एक फीसदी गिरकर 304 रुपये के भाव पर आ गए हैं।

रुपे कार्ड इस्तेमाल करना हो सकता है मंहगा

नईदिल्ली। भारत के हाई-स्ट्रीट बैंक रुपे डेबिट कार्ड पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाने की मांग कर रहे है। इसके लिए उन्होंने सरकार से कहा है कि अगर सरकार रुपे कार्ड पर एमडीआर लगाने पर सहमत होती है तो उन्हें पेमेंट नेटवर्क सिक्योरिटी बढ़ाने और नए भुगतान समाधान विकसित करने के लिए आवश्यक फंड मिल सकेंगे। एमडीआर डेबिट और क्रेडिट कार्ड लेनदेन के पेमेंट प्रोसेसिंग के लिए एक व्यापारी से लिया जाता है। वर्तमान में रुपे डेबिट कार्ड के माध्यम से लेनदेन के लिए कोई एमडीआर नहीं है। खबर के अनुसार, एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि भारतीय बैंक संघ ने भी रुपे डेबिट कार्ड पर एमडीआर की बहाली के लिए वित्त मंत्रालय को एक पत्र लिखा है। बैंकर ने ईटी से नाम न छापने की शर्त पर कहा, हमने तर्क दिया है कि एमडीआर आवश्यक है और स्थिरता को बढ़ावा देगा और अत्याधुनिक तकनीकों में निरंतर निवेश को सक्षम करेगा।

साल 2024 की शुरुआत में आईपीओ लाने की तैयारी में ओला इलेक्ट्रिक

नईदिल्ली। भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी ओला इलेक्ट्रिक 2024 की शुरुआत में भारत का सबसे बड़ा ऑटोमोटिव आईपीओ लाने के लिए तैयार है। इसके लिए कंपनी वित्तीय और कानूनी संस्थानों के साथ बातचीत कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी आईपीओ के लिए कोटक, गोल्डमैन सैक्स, सिटीबैंक और बैंकिंग पार्टनर्स के तौर पर अन्य से बातचीत कर रही है। इसने सिरिल अमरचंद मंगलदास और शार्दुल अमरचंद मंगलदास जैसी प्रमुख कानून फर्मों को कानूनी सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। कंपनी ने हाल ही में सॉवरेन फंड के जरिए 300 मिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की है, जिससे कंपनी का वैल्यूएशन 5 बिलियन डॉलर से बढ़कर 6 बिलियन डॉलर हो गया है।

वित्तीय समावेशन के जरिये मोदी ने गरीब वर्ग का कर दिया कायाकल्प

गतांक से आगे ...

प्रहलाद सबनानी

प्रधानमंत्री जनधन योजना अपने प्रारम्भिक समय से ही वित्तीय समावेशन के लिए एक क्रांतिकारी कदम मानी जा रही है। इस योजना के प्रारम्भ के बाद, एक सप्ताह के अंदर बैंक में खोले गए खातों की संख्या को उपलब्धि के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल किया गया था। बैंकों की मदद से शून्य बैलेन्स के साथ करोड़ों नागरिकों के बचत खाते विभिन्न बैंकों में खोले गए हैं। इन बचत खातों में से लगभग 67 प्रतिशत बचत खाते ग्रामीण एवं अर्धशहरी केंद्रों पर खोले गए हैं, जिसे मजबूत होती ग्रामीण अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है।

भारत में बैंकिंग व्यवस्था को आसान बनाने के उद्देश्य से डिजिटल इंडिया को आगे बढ़ाने का कार्य भी सफलतापूर्वक किया गया है। इस योजना के अंतर्गत खोले गए बचत खाताधारकों को रूपे डेबिट कार्ड प्रदान किया गया है। यह रूपे कार्ड उपयोगकर्ता द्वारा समस्त एटीएम, पोस टर्मिनल एवं ई-कामर्स वेबसाइट पर लेनदेन करने की दृष्टि से उपयोग किया जा सकता है। वर्ष 2016 में 15.78 करोड़ बचत खाताधारकों को रूपे कार्ड प्रदान किया गया था एवं अप्रैल 2023 तक यह संख्या बढ़कर 33.5 करोड़ तक पहुंच गई है।

वर्तमान में देश में बैंकिंग सेवाएं सुगम बनाने के उद्देश्य से 6.55 लाख बैंकिंग मित्र भी अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उक्त योजनाओं से जुड़े आंकड़े बताते हैं कि किस प्रकार बैंकिंग सेवाओं को नागरिकों के द्वार तक पहुंचा दिया गया है। वित्तीय समावेशन के लिए गांव से लेकर शहर तक गरीब से लेकर मध्यम आय के परिवार के कम से कम एक सदस्य को बैंकिंग सेवा से जोड़ने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था उसे बहुत हद तक पिछले 8 साल के दौरान प्राप्त कर लिया गया है।

गरीबी कम करने के लिए वित्तीय समावेशन एक प्रमुख कारक के रूप में कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू करने के बाद से देश में गरीब वर्ग के बीच बैंकिंग सेवाओं में तेजी से प्रगति हुई है। वित्तीय समावेशन आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन का प्रमुख चालक भी बन गया है। पिछले 8 वर्षों के दौरान बचत खातों की संख्या तीन गुना बढ़ी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि देश का कोई भी व्यक्ति वित्तीय और बैंकिंग सेवाओं से वंचित ना रहे, इसी उद्देश्य से इस योजना को प्रारम्भ किया गया था। वित्तीय समावेशन से वित्तीय साक्षरता और उपभोक्ता संरक्षण बढ़ता है। साथ ही, वित्तीय समावेशन से देश में पूंजी निर्माण की दर में भी वृद्धि होती है। वित्तीय समावेशन के माध्यम से देश के प्रत्येक परिवार के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक को इस लायक बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह देश की आर्थिक प्रगति में अपने योगदान को सार्थक कर सके। परिवार के कुछ सदस्य नहीं बल्कि परिवार के समस्त सदस्य गरीबी रेखा से बाहर आ जाएं। देश का पूरा समाज एवं समस्त प्रदेश ही आर्थिक रूप से विकसित बन जाएं।

देश के समस्त समाजों को बगैर किसी भेदभाव के आगे बढ़ाया जा रहा है। वित्तीय समावेशन ने आज देश के आर्थिक परिदृश्य को पूरे तौर पर बदल दिया है। यूपीआई के माध्यम से आज ऑनलाइन पैसे का तुरंत भुगतान सम्भव हो सका है एवं अब पैसे बैंक में जमा किए जाते हैं तो वह भी ब्याज के रूप में आय अर्जित करते हैं। पहले, यह रकम घर पर पड़ी रहती थी एवं अनुत्पादक आस्ति बनी रहती थी। आज वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में, दुनिया के कई देश, भारत को मिसाल के तौर पर देखने लगे हैं कि किस प्रकार 140 करोड़ से अधिक की आबादी वाले देश ने बैंकों से उन नागरिकों को भी जोड़ा है जो अब तक इन सुविधाओं से वंचित थे। जब तक समावेशी विकास नहीं होगा, तब तक देश का आर्थिक विकास भी गति नहीं पकड़ सकता है। पहले लोग जहां बैंकों में जाने से डरते थे, वहीं अब उन्हें बैंकिंग सुविधाएं बैंक मित्रों के माध्यम से घर बैठे ही पहुंचाई जा रही हैं। आज नागरिकों को बैंक जाने की आवश्यकता ही नहीं है, ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार आसानी से सम्पन्न किए जा रहे हैं। कुल मिलाकर भारत में बैंकिंग क्षेत्र में अतुलनीय परिवर्तन आया है, जिससे देश में वित्तीय समावेशन भी बहुत आसान बन पड़ा है।

हिरोशिमा में अमीर देशों की गलतियां

रहीस सिंह

हिरोशिमा में जी-7 समिट का आयोजन ऐसे समय हुआ, जब कमोबेश पूरी दुनिया मंदी के मुहाने पर खड़ी है और पश्चिमी देश रूस-चीन धुरी के खिलाफ रणनीति बनाने में व्यस्त हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र का भी ऐसा ही हाल है। यहां एक तरफ चीन है, जिसे घेरने के लिए क्वॉड या ऑकस जैसी पहल की गई। लेकिन इससे चीन के रवैये में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ऐसे में जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा द्वारा हिरोशिमा शहर को जी-7 समिट के लिए चुनना सांकेतिक दृष्टि से भले उचित हो, लेकिन क्या वहां से ऐसा संदेश प्रसारित भी हुआ या फिर जी-7 हिरोशिमा में भी रूस और चीन के प्रभाव में दबा रह गया? जापानी प्रधानमंत्री किशिदा ने हिरोशिमा से शांति के लिए वैश्विक एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की और 'परमाणु निरस्त्रीकरण पर हिरोशिमा विजन स्टेटमेंट' भी जारी हुआ, लेकिन सवाल है कि इससे आगे क्या। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का अचानक वहां पहुंचना और चीन-रूस को गेस्ट लिस्ट से बाहर रखना किसी स्थायी शांति की प्रस्तावना का संकेत तो नहीं हो सकता। जी-7 के सदस्य देशों ने यूक्रेन पर अलग से एक बयान जारी किया और रूस पर कुछ अतिरिक्त प्रतिबंध भी लगाए गए। फिर भी ये देश बातचीत शुरू करने और युद्ध खत्म करने की कोई राह ढूंढ पाने में नाकाम ही रहे। किशिदा बार-बार ग्लोबल साउथ (विकासशील और गरीब देश) का जिक्र कर उसे जी-7 की आंखों से दुनिया को दिखाने की कोशिश करते रहे। लेकिन सच तो यह है कि वहां से दुनिया ध्रुवीकृत होती दिखी। यह उनकी योग्यता थी या गलती, कहना मुश्किल है। दरअसल, जी-7 सम्मेलन मुख्य तौर पर दो ही विषयों पर केंद्रित रहा। पहला, ग्लोबल साउथ पर फोकस और दूसरा, रूस पर निशाना। हम यह कह सकते हैं कि ग्लोबल नॉर्थ (अमीर देश) ने दूसरे छोर पर खड़ी दुनिया यानी ग्लोबल साउथ को उम्मीद भरी निगाहों से देखने कोशिश की। यूं तो नॉर्थ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था को लीड करता रहा है, लेकिन अब स्थितियां बदल चुकी हैं। आज ये सातों देश दुनिया को लीड करने की क्षमता रखते नहीं दिख रहे। दूसरी तरफ चीन और रूस हैं। चीन के पास भी अभी नेतृत्व क्षमता विकसित नहीं हुई है। लेकिन उसने इस क्षेत्र में अपनी ऋण क्षमता (डेट पोटेंशियल) के विस्तार के सहारे व्यापक जमीन तैयार कर ली है। ग्लोबल साउथ के कई देश चीन के इस डेट ट्रैप में फंसे हुए हैं। बावजूद इसके, वे चीन की ओर ही देख रहे हैं। यह स्थिति तभी बदल सकती है जब जी-7 ग्लोबल साउथ में चीन का विकल्प बने। फिलहाल यह होता नहीं दिख रहा। रही बात रूस-यूक्रेन युद्ध की तो अमेरिका सहित तमाम यूरोपीय या पश्चिमी खेमे के देश पहले से ही रूस पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। हिरोशिमा में इनमें और वृद्धि की गई। लेकिन ये प्रतिबंध रूस और पूतिन को रोक नहीं पाएंगे। वजह यह है कि यह सीधी रेखा में चलने वाला युद्ध नहीं है। इसमें महाशक्तियों की उच्चाकांक्षाएं और 'ग्रेट गेम' शामिल हैं। इसमें 'इंफॉर्मेशन वॉर', ट्रेड वॉर, जियोइकॉनॉमिक्स वॉर और 'वॉर ऑफ आइडेंटिटी' भी शामिल हैं। सच तो यह है कि पश्चिमी दुनिया यूक्रेन के सहारे अपने अस्तित्व का युद्ध लड़ रही है और पूतिन सोवियत युग के स्वप्न को साकार करने के लिए। पूतिन मानते हैं कि 1991 में सोवियत यूनियन बिखरा तो रूस पर डाका डाल दिया गया। उनका यह बयान ठीक वैसा ही है जैसा कि हिटलर का प्रथम विश्वयुद्ध के बाद वारसा की संधि पर दिया गया बयान था। उसने वारसा की संधि को 'हाइवे रॉबरी' (राजमार्ग की डकैती) बताया था। यह सच भी है, लेकिन बावजूद इसके रूसी कदम स्वीकार्य नहीं हो सकते।

मोदी ने सुधारी नेहरू की गलतियां

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ देश को हर मोर्चे पर आगे बढ़ाने का काम ही नहीं कर रहे हैं बल्कि वह इतिहास की कई गलतियों खासकर देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की गलतियां भी सुधार रहे हैं। मोदी ने देश के पहले गृह मंत्री सरदार पटेल को समर्पित विश्व की सबसे बड़ी मूर्ति स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाकर उन्हें वह सम्मान दिया जोकि नेहरू और कांग्रेस ने उन्हें नहीं दिया था। मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाकर नेहरू की सबसे बड़ी गलती को सुधारा। अब मोदी उस राजदंड को देश के नये संसद भवन में स्थापित करने जा रहे हैं जो आजादी के समय नेहरू को अभिमंत्रित कर सौंपा गया था। लेकिन नेहरू ने उसका सही सम्मान नहीं किया और उसे दिल्ली से दूर प्रयागराज के एक संग्रहालय में भेज दिया। लेकिन अब उस ऐतिहासिक सेंगोल यानि राजदंड को वापस लाया गया है और उसे ससम्मान लोकसभा अध्यक्ष के आसन के समीप स्थापित किया जायेगा। देखा जाये तो 28 मई को 14 अगस्त 1947 का दृश्य दोहराया जायेगा। जैसे मंत्रोच्चारण के बाद पवित्र सेंगोल नेहरू को सौंपा गया था, ठीक उसी तरह यह प्रधानमंत्री मोदी को सौंपा जायेगा।

बताया जा रहा है कि अगस्त 1947 में सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के तौर पर प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को दिया गया रस्मी राजदंड (सेंगोल) इलाहाबाद संग्रहालय की नेहरू दीर्घा में रखा गया था और इसे संसद के नये भवन में स्थापित करने के लिए दिल्ली लाया गया है। रस्मी राजदंड को इलाहाबाद संग्रहालय की नेहरू गैलरी के हिस्से के रूप में जवाहरलाल नेहरू से जुड़ी कई अन्य ऐतिहासिक वस्तुओं के साथ रखा गया था। संग्रहालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि संग्रहालय के वर्तमान भवन की आधारशिला 14 दिसंबर, 1947 को नेहरू द्वारा रखी गई थी और इसे

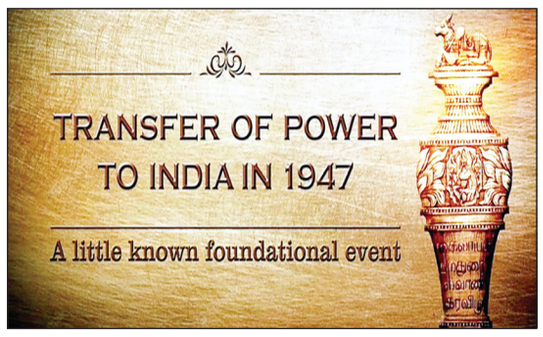

1954 में कुंभ मेले के समय जनता के लिए खोला गया था। हम आपको बता दें कि दो मंजिला इमारत प्रयागराज में कंपनी बाग क्षेत्र के चंद्रशेखर आजाद पार्क (पहले अल्फ्रेड पार्क) में स्थित है।

दूसरी ओर, सरकार ने बताया है कि चांदी से निर्मित और सोने की परत वाले इस ऐतिहासिक राजदंड को 28 मई को लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी के पास स्थापित किया जाएगा। उसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नये संसद भवन को राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। सरकार का कहना है कि 28 मई को प्रधानमंत्री तमिलनाडु के एक अधीनम से 'सेंगोल' को ग्रहण करेंगे और बहुत सम्मान के साथ, इसे लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी के पास स्थापित करेंगे। हम आपको बता दें कि अधीनम के नेता ने %सेंगोल% (पांच फीट लंबाई) बनाने के लिए जौहरी वुम्मिदी बंगारू चेट्टी को नियुक्त किया था। वुम्मिदी बंगारू ज्वैलर्स की आधिकारिक वेबसाइट में राजदंड के बारे में उल्लेख है और नेहरू की एक दुर्लभ तस्वीर भी है, जिसे 'सेंगोल' पर जारी की गयी लघु फिल्म में भी दिखाया गया है। 1947 में मूल राजदंड के निर्माण में शामिल दो व्यक्तियों- 96 वर्षीय वुम्मिदी एथिराजुलु और 88 वर्षीय वुम्मिदी सुधाकर के नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने की उम्मीद है।

देखा जाये तो नये संसद भवन में स्थापित किए जाने वाले राजदंड (सेंगोल) का संबंध तमिल इतिहास से है जो लगभग 2,000 साल पुराने संगम काल का है। तमिल विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर एस. राजावेलु ने कहा है कि राजाओं के राज्याभिषेक का नेतृत्व करने और सत्ता के हस्तांतरण को पवित्र करने के लिए समयाचार्यों (आध्यात्मिक गुरुओं) के लिए यह एक पारंपरिक चोल प्रथा थी, जिसे शासक को मान्यता देने के तौर पर देखा जाता था। उन्होंने कहा, ''तमिल राजाओं के पास यह सेंगोल (राजदंड के लिए तमिल शब्द) था, जो न्याय और सुशासन का प्रतीक है। दो महाकाव्यों- सिलपथिकारम और मणिमेकलई में सेंगोल के महत्व का उल्लेख किया गया है।'' राजावेलु ने कहा कि संगम काल से ही 'राजदंड' का उपयोग खासा प्रसिद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि तमिल काव्य 'तिरुक्कुरल' में सेंगोल को लेकर एक पूरा अध्याय है। राजावेलु ने बताया कि प्राचीन शैव मठ थिरुववदुथुराई आदिनम मठ के प्रमुख ने नेहरू को 1947 में सेंगोल भेंट किया था। प्रमुख शैव मठों से जुड़े पीटी चोकलिंगम का इस बारे में कहना है कि यह हमारे राजाजी (सी राजगोपालाचारी, भारत के अंतिम गवर्नर जनरल) थे जिन्होंने नेहरू को आश्वस्त किया कि इस तरह के समारोह की आवश्यकता है क्योंकि भारत की अपनी परंपराएं हैं और संप्रभु सत्ता के हस्तांतरण की अगुवाई एक आध्यात्मिक गुरु द्वारा की जानी चाहिए।

बताया जा रहा है कि 14 अगस्त, 1947 को सत्ता के हस्तांतरण के समय, तीन लोगों को विशेष रूप से तमिलनाडु से लाया गया था- अधीनम के उप मुख्य पुजारी, नादस्वरम वादक राजरथिनम पिल्लई और ओथुवर (गायक) जो सेंगोल लेकर आए थे और कार्यवाही का संचालन किया था। तमिलनाडु हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के 2021-22 नीति नोट के अनुसार ''सिंहासन के समय, पारंपरिक गुरु या राजा के उपदेशक नए शासक को औपचारिक राजदंड सौंप देंगे।'' इस परंपरा का पालन करते हुए, जब ओथुवमूर्तियों ने कोलारू पाथिगम-थेवारम से 11वें छंद की अंतिम पंक्ति का गायन पूरा किया, तो थिरुववदुथुरै अदीनम थंबीरन स्वामीगल ने पंडित जवाहरलाल नेहरू को सोने की परत चढ़ा चांदी का राजदंड सौंप दिया था।

उस समय पंडित नेहरू ने इस राजदंड को भले संग्रहालय में भेज दिया था लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी इसे संसद में ला रहे हैं। इस बात की देशभर में तारीफ हो रही है। भारत के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल सी. राजगोपालाचारी के परपोते सीआर केसवन ने इस बारे में कहा है कि यह राजदंड पहले माउंटबेटन को दिया गया जिसे बाद में पुजारी को दिया गया। पुजारी ने इसे गंगाजल से पवित्र किया और बाद में नेहरू को इसे प्रदान किया। यह एक ऐतिहासिक घटना थी। इसके बार में किसी को नहीं पता था। इस राजदंड को इलाहाबाद संग्रहालय में यह कहकर रखा गया कि यह एक गोल्डन वॉकिंग स्टिक है जो पंडित नेहरू को दी गई थी। सीआर केसवन ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने इस पवित्र राजदंड सेंगोल को फिर से जीवंत किया।

बहरहाल, सरकार ने एकदम सही कहा है कि पवित्र %सेंगोल% को संग्रहालय में रखना अनुचित है। %सेंगोल% की स्थापना के लिए संसद भवन से अधिक मुनासिब, पवित्र और उपयुक्त कोई अन्य स्थान नहीं हो सकता है। साथ ही यह देखना भी सुखद है कि नये संसद भवन में प्राचीन और आधुनिक भारत की तमाम विशेषताओं के साथ ही हमारी प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और इतिहास की झलक देखने को मिलेगी।

कृपया इनसे सीखें — पेंशन के पैसों से सड़क के गड्ढे भरता हूँ

गंगाधर तिलक कटनम

मेरी पत्नी को यह पसंद नहीं था कि मैं बुढ़ापे में सड़कों के गड्ढे भरने जैसा निम्न स्तर का काम करूँ। उसके कई बार कहने पर भी जब मैं नहीं माना, तो उसने हमारे बेटे को अमेरिका से बुलाकर मुझे समझाने की आखिरी कोशिश की। लेकिन जब मेरा बेटा भारत आया, तो पत्नी के मंसूबों के ठीक उल्टा हुआ। मुझे रोकने के बजाय बेटे ने इस काम के लिए मेरी प्रशंसा की और वह खुद मेरी मदद को तैयार हो गया। बेटे का यह व्यवहार मेरे लिए काफी उत्साहवर्द्धक रहा। जब मैं एक दिन अपने दफ्तर जा रहा था, तो मैंने देखा कि रास्ते के गड्ढे में भरा पानी मेरी कार की वजह से पास से गुजर रहे स्कूली बच्चों के ऊपर जा गिरा। मुझे यह दृश्य बेहद खराब लगा। बच्चों के साथ घटी वह घटना कुछ ही दिनों में मेरे साथ भी घटी। शहर के हर कोने में मौजूद ये गड्ढे मुझे परेशान करने लगे। कभी मेरी वजह से दूसरों पर तो कभी दूसरों की वजह से मैं खुद गड्ढों का शिकार होता था। मेरी परेशानी की हद तब हो गई, जब मैंने सुना कि पुराने शहर के एक इलाके में गड्ढों की वजह से हुई एक सड़क दुर्घटना ने एक ऑटो सवार की जान ले ली। उसे एक अनियंत्रित बस ने टक्कर मारी थी। दरअसल खराब सड़कों को लेकर इस समस्या ने मेरे जेहन में स्थायी जगह बना ली थी, जो यह स्वाभाविक था। मुझे हर वक्त यही समस्या शहर में सबसे ज्यादा दिखती थी। मेरे दिमाग में यह विचार आया कि क्यों न सरकार और शहर प्रशासन से विनती करने के बजाय खुद श्रमदान करके इन गड्ढों को भर दिया जाए। मैंने निर्णय लिया कि मुझे शहर में जहाँ कहीं भी कोई गड्ढा दिखेगा, उसे बिना किसी मदद/गुहार के तुरंत खुद ही भर दूँगा। मैं ऐसा ही करने लगा।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1972 अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1980 दक्षिण कोरिया के सैन्य सरकारी बलों और समर्थक लोकतंत्र के प्रदर्शनकारियों ने 2,000 प्रदर्शनकारियों को मर डाला गया।
1983 7.7 रिएक?टर स?केल से जापान में आए भूकंप में 104 लोगों की मौत हुई।
1991 लॉडा एयर फ़्लाइट 004 में एक इंजन के बिना-पास वाले थ्रस्ट रिवर्सर की तैनाती का अनुभव किया और मध्य-हवा में अलग हो गया, जिससे सभी 223 लोगों की मौत हो गई।
2006 इंडोनेशिया के जावा में आए भूकंप के कारण 5700 से अधिक लोगों की मौत और लगभग दो लाख बेघर हुए।
2008 पूर्वी और दक्षिणी चीन में गंभीर बाढ़ शुरू हो गई और 148 लोगों की मौत हो गई और 1.3 मिलियन लोगों को निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

अक्ष्युपनिषद् (भाग-5)

गतांक से आगे...

इस प्रकार महान् पुरुषों के निरन्तर सत्संग से जो यह कहे कि मैं कर्तृता नहीं, ईश्वर ही कर्तृता है या मेरे पूर्व जन्म में किए गये कर्म ही कर्तृता हैं। इस प्रकार से समस्त चिन्ताओं और शब्द अर्थ के भाव को विसर्जित कर देने के पश्चात् जो मौन (मन इन्द्रियों का संयम), आसन (आन्तरिक अवस्था) और शान्त भाव (बाहरी भावों के विस्मरण) की प्राप्ति होती है, वह श्रेष्ठ असंसर्ग कहा जाता है।

अन्त:करण की भूमि में अमृत के छोटे अंकुर के प्रस्फुटन की तरह ही सन्तोष और आह्लादप्रद होने से मधुर प्रतीत होने वाली प्रथम भूमिका का अभ्युदय होता है। इसके उत्पन्न होते ही अन्तरंग में शेष भूमिकाओं के लिए भूमि तैयार हो जाती है। इसके बाद होने वाली दूसरी एवं तीसरी भूमिका में भी साधक कुशलता प्राप्त कर लेता है। इस तीसरी भूमिका को इसलिए सर्वोत्कृष्टता की श्रेणी में गिना गया है; क्योंकि इसमें साधक सभी संकल्पजन्य वृत्तियों को पूर्णत: त्याग देता है। अद्वैतभाव की दृढभावना से द्वैतभाव स्वत: समाप्त हो जाता है। चौथी भूमिका को प्राप्त साधक इस लोक को स्वप्न की तरह स्वीकार करता है। प्रारम्भिक तीन भूमिकायें जाग्रत् स्वरूपा हैं तथा चौथी भूमिका स्वप्न कही जाती है। पंचम भूमिका में आरूढ़ होने पर साधक का चित्त शरदभ्रु के बादलों की तरह विलीन हो जाता है, मात्र सत्त्व हां शेष बचता है। चित्त के विलीन हो जाने से जागतिक विकल्पों का अभ्युदय नहीं होता। सुषुप्तपद नाम की इस पंचम भूमिका में सम्पूर्ण विभेद शान्त हो जाने पर साधक मात्र अद्वैत अवस्था में ही अवस्थित रहता है। द्वैत के समाप्त हो जाने से आत्मबोध से युक्त हर्षित हुआ साधक पंचम भूमिका में जाकर सुषुप्तधन को प्राप्त कर लेता है। वह बहिर्मुखी व्यवहार करते हुए भी हमेशा अन्तर्मुखी ही रहता है तथा सदा थके हुए की तरह निद्रातुर सा दिखता है। इस भूमिका में कुशलता हासिल करते हुए वासनाविहीन होकर वह साधक क्रमश: तुर्या नाम वाली छठी भूमिका में प्रविष्ट होता है। जहाँ सत-असत् का अभाव है, अहंकार-अनहंकार भी नहीं है तथा विशुद्ध अद्वैत स्थिति में मननात्मक वृत्ति से रहित होने पर वह अत्यन्त निर्भयता को प्राप्त करता है।

क्रमश: ...

निष्ठावान कार्यकर्ता हो.वे.शेषाद्रि

आज तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का साहित्य हर भाषा में प्रचुर मात्रा में निर्माण हो रहा है; पर इस कार्य के प्रारम्भ में जिन कार्यकर्ताओं की प्रमुख भूमिका रही, उनमें होंगसन्द्र वेंकटरमैया शेषाद्रि का नाम शीर्ष पर है। 26 मई, 1926 को बंगलौर में जन्मे शेषाद्रि जी 1943 में स्वयंसेवक बने। 1946 में मैसूर विश्वविद्यालय से रसायन शास्त्र में प्रथम श्रेणी में स्वर्ण पदक पाकर उन्होंने एम.एस-सी। किया और अपना जीवन प्रचारक के नाते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हेतु समर्पित कर दिया।

प्रारम्भ में उनका कार्यक्षेत्र मंगलौर विभाग, फिर कर्नाटक प्रान्त और फिर पूरा दक्षिण भारत रहा। 1986 तक वे दक्षिण में ही सक्रिय रहे। वे श्री यादवराव जोशी से बहुत प्रभावित थे। 1987 से 2000 तक वे संघ के सरकार्यवाह रहे। इस नाते उन्होंने पूरे भारत तथा विश्व के कुछ देशों में भी प्रवास किया।

कार्य की व्यस्तता के बाद भी वे प्रतिदिन लिखने के लिये समय निकाल लेते थे। वे दक्षिण के विक्रम साप्ताहिक, उत्थान मासिक, दिल्ली के पांचजन्य और आर्गनाइजर साप्ताहिक तथा लखनऊ के राष्ट्रधर्म मासिक के लिये प्राय: लिखते रहते थे। उनके लेखों की पाठक उत्सुकता से प्रतीक्षा करते थे। उन्होंने संघ तथा अन्य हिन्दू साहित्य के प्रकाशन के लिये श्री यादवराव के निर्देशन में बंगलौर में 'राष्ट्रोत्थान परिषद्' की स्थापना की। सेवा कार्यों के विस्तार एवं संस्कृत के उत्थान के लिये भी उन्होंने सघन कार्य किया।

शेषाद्रि जी ने यों तो सौ से अधिक छोटी-बड़ी पुस्तकें लिखीं; पर उन्होंने ही सर्वप्रथम द्वितीय सरसंघचालक श्री गुरुजी के भाषणों को 'बंच ऑफ थॉट्स' के रूप में संकलित किया। आज भी इसके संस्करण प्रतिवर्ष छपते हैं। इसके अतिरिक्त कृतिरूप संघ दर्शन, युगावतार, और देश बँट गया, नान्य: पन्था, मूल्यांकन, द वे, हिन्दूज अब्रोड डाइलेमा, उजाले की ओर।। आदि उनकी महत्वपूर्ण कृतियां हैं। इन सबके कई भाषाओं में अनुवाद हुए हैं। 'तोरबेरलु' को 1982 में कन्नड़ साहित्य अकादमी ने पुरस्कृत किया। शेषाद्रि जी की भाषण शैली भी अद्भुत थी। वे सरल एवं रोचक उदाहरण देकर अपनी बात श्रोताओं के मन में उतार देते थे। 1984 में न्यूयार्क (अमरीका) के विश्व हिन्दू सम्मेलन तथा ब्रेडफोर्ड (ब्रिटेन) के हिन्दू संगम में उन्हें विशेष रूप से आमन्त्रित किया गया था। उनके भाषणों से वहां लोग बहुत प्रभावित हुए। अत्यधिक शारीरिक एवं मानसिक श्रम के कारण उनका शरीर अनेक रोगों का घर बन गया। जब चौथे सरसंघचालक रज्जू भैया अपने खराब स्वास्थ्य के कारण अवकाश लेना चाहते थे, तो सब कार्यकर्ता चाहते थे कि शेषाद्रि जी यह दायित्व संभालें; पर वे इसके लिये तैयार नहीं हुए। उनका कहना था कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है, अत: किसी युवा कार्यकर्ता को यह काम दिया जाये। अन्तत: सह सरकार्यवाह श्री सुदर्शन जी को यह दायित्व दिया गया। शेषाद्रि जी निरहंकार भाव से सह सरकार्यवाह और फिर प्रचारक प्रमुख के नाते कार्य करते रहे। अन्तिम दिनों में वे बंगलौर कार्यालय पर रह रहे थे। वहां सायं शाखा पर फिसलने से उनके पैर की हड्डी टूट गयी। एक बार पहले भी उनकी कूल्हे की हड्डी टूट चुकी थी। इस बार इलाज के दौरान उनके शरीर में संक्रमण फैल गया। 14 अगस्त, 2005 की शाम को उनका देहान्त हो गया।

नयी दिल्ली से टकराव की जमीन तैयार करता बीजिंग

बिक्रम उपाध्याय

कश्मीर में जी 20 के पर्यटन कार्य समूह की बैठक का चीन द्वारा खुला बहिष्कार यह समझने के लिए काफी है कि बीजिंग भारत के साथ संबंध सुधारने के प्रति गंभीर नहीं है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने बकायदा एक बयान जारी कर कहा कि उनका देश कश्मीर जैसे किसी विवादित क्षेत्र में जी20 बैठक के आयोजन का दृढ़ता से विरोध करता है और ऐसी बैठकों में शामिल नहीं होगा। बावजूद इसके भारत ने श्रीनगर में जी 20 देशों की सफल बैठक का आयोजन कर चीन को इसका ठीक जवाब दे दिया। यही नहीं मार्च के अंतिम सप्ताह में अरूणाचल प्रदेश के इटानगर में हुई जी 20 की एक अन्य बैठक का भी चीन ने बायकॉट किया, जबकि इस बैठक में 100 से ज्यादा सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। उसी समय भारत को उकसाने के लिए बीजिंग ने अरुणाचल के कई गांवो, नदियों का चीनी भाषा में नया नामकरण भी कर दिया। चीन के भारत के प्रति आक्रामक रवैये को देखकर इस बात की आशंका हो रही है कि बीजिंग एक नए टकराव की जमीन तैयार कर रहा है।

देखा जाए तो कश्मीर को विवादित बताकर जी 20 बैठक से अलग होने की चीन की घोषणा भारत के मामले में सीधा हस्तक्षेप है। चीन अभी तक इसे विवादित मुद्दा बताकर यूएनओ के करार के मुताबिक हल करने की सिफ़ारिश करता रहा है। ऐसा वह पाकिस्तान के प्रति अपने प्यार के इजहार में करता है। पर पहली बार अपने को आगे रखकर कश्मीर को मुद्दा बनाया और भारत को नीचा दिखाने की कोशिश की। यह चीन की दोहरी नीति का सबूत है। एक तरफ चीन के विदेश मंत्री वांग यी एससीओ की

बैठक में यह कह कर गए कि सीमा विवाद को एक तरफ परे रखकर भारत को व्यापार एवं अन्य द्विपक्षीय मुद्दों को सुलझाने का प्रयास करना चाहिए। दूसरी तरफ वह स्वयं व्यापार बढाने की संभावनाओं को कुचलने का प्रयास करता है। क्या बीजिंग को यह मालूम नहीं है कि कश्मीर में जी 20 देशों के सदस्यों के बीच पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने पर ही चर्चा हो रही है, जिसे बिगाड़ने की वह असफल कोशिश कर चुका है। हालांकि चीन के साथ तुर्की, सऊदी अरब, मिस्र और इंडोनेशिया ने भी कश्मीर में हुई मीटिंग से दूरी बनाई, लेकिन किसी ने भी वह बयान नहीं दिया, जो पाकिस्तान दिलाना चाहता था। पाकिस्तान जी 20 का सदस्य नहीं है, उसके बावजूद वह सदस्य मुस्लिम देशों को जम्मू-कश्मीर न जाने के लिए मनाने में जुटा रहा। इस्लामाबाद ने कश्मीर में मानवाधिकारों का उल्लंघन, राजनीतिक उत्पीड़न और अवैध गिरफ्तारियों की मनगढंत किस्सों को बेचने की कोशिश की। किसी और देश ने पाकिस्तान के प्रोपेगांडा पर ध्यान भी नहीं दिया, लेकिन चीन ने इस्लामाबाद की हां में हां मिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भारत के पास इस समय जी 20 देशों की अध्यक्षता है और उसे पूरा अधिकार है कि वह किसी भी क्षेत्र में बैठकों का आयोजन कर सकता है। अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप के सदस्य देशों ने भारत की संप्रभुता का पूरा सम्मान किया और खुशी खुशी कश्मीर में आकर शिरकत की। 22 से 24 मई के बीच चले इस आयोजन में भारत ने जिन 25 देशों को आमंत्रित किया था, उनमें से 20 देशों ने भाग लिया। चीन इससे ही समझ सकता है कि विश्व मंच पर भारत के समकक्ष उसकी हैसियत क्या है। चीन ने कश्मीर मामले पर तब भी भारत का इतना खुला विरोध नहीं किया था जब भारत ने 2019 में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर दो संघ शासित क्षेत्रों, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का गठन कर दिया था। जबकि लद्दाख भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ बसा है और चीन ने इसके कुछ हिस्सों को भी विवादित घोषित कर रखा है। इधर भारत और चीन के बीच एक सैन्य गतिरोध अभी भी बना हुआ है। डोकलाम की घटना को हुए छह साल और तवांग नदी पर हुए खूनी संघर्ष के तीन साल होने वाले हैं, लेकिन अब भी सीमा विवाद के समाधान के कोई संकेत नहीं हैं। जबकि मंत्री और सैन्य कमांडर स्तर पर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। दोनों देशों के बीच 3500 किलोमीटर लंबी सीमा पर हमेशा ही तनाव बना रहता है।

चीन एक तरफ बातचीत का माहौल बनाने का दावा करता है और दूसरी तरफ लगातार एकतरफा कार्रवाई कर संबंधों में जटिलता बनाए रखता है। पिछले महीने चीन ने अरुणाचल प्रदेश के 11 स्थानों का नाम चीनी भाषा में बदल दिया। चीन इन्हें अपना क्षेत्र दक्षिणी तिब्बत कहता है। जबकि भारत ने इस पर कड़ा एतराज जताया था। भारत से लगी अपनी सीमाओं पर चीन तेजी से सैन्य और अन्य बुनियादी ढांचे का विकास कर रहा है। भारत भी उसी त्वरित गति से सुरंगों, सड़कों और पुलों का निर्माण कर रहा है। हाल ही में गृह मंत्री अमित शाह ने अरुणाचल प्रदेश का दौरा कर पूर्वोत्तर में लगभग 3000 सीमावर्ती गांवों को विकसित करने के लिए 57 अरब डॉलर की परियोजनाओं का अनावरण कर चीन को माकूल जवाब दिया था। शाह ने चीन को जवाब देते हुए कहा था - हमारी नीति स्पष्ट है कि हम सभी से शांति चाहते हैं। कोई भी हमारी एक इंच जमीन का भी अतिक्रमण नहीं कर पाएगा। चीन के रवैये से भारत सरकार और राजनयिकों को निराशा ही मिली है। पिछले 23 अप्रैल को18वें दौर की सैन्य वार्ता के बाद भी विवाद हल करने की दिशा में कोई सकारात्मक पक्ष सामने नहीं आया। चीन ने इन बैठकों को सकारात्मक तो बताया है लेकिन साथ में यह सलाह भी दी है कि अमेरिका की शह पर भारत चीन के खिलाफ आक्रामक रुख न अपनाये। पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्पष्ट रूप से कह दिया कि चीन की तरफ से अनिश्चितता बनी हुई है और भारत अपनी सीमा की रक्षा के लिए तत्पर है। राजनाथ सिंह ने यहां तक कह दिया कि सीमा प्रबंधन समझौतों के उल्लंघन ने द्विपक्षीय संबंधों को खत्म कर दिया है, और संबंधों का विकास सीमाओं पर शांति पर आधारित है। भारत लगातार कह रहा है कि चीन द्वारा सीमा पर सेना के भारी जमावड़े से द्विपक्षीय संबंध सामान्य नहीं बन पाएंगे। संबंध तभी सुधर सकता है जब पीएलए अलग हो जाए और अतिरिक्त बल वापस ले ले। सीमा पर इस समय दोनों ओर लगभग एक एक लाख सेना के जवान तैनात हैं। भारतीय सेना के कमांडर सीमा पर किसी भी आकस्मिक स्थिति को संभालने के लिए पूरी क्षमता से डटे हुए हैं। चीन यदि कूटनीति के बजाय आक्रामकता की नीति पर कायम रहता है तो आने वाले दिनों में फिर से किसी बड़े टकराव की आशंका बनी रहती है।

बापू की दिनचर्या

रोगी-सेवा और चिकित्सा (भाग-6)

गतांक से आगे...

सेवाग्राम का वर्तमान कस्तूरबा दवाखाना बापू द्वारा लगाये गए छोटे-से पौधे का ही प्रतिरूप है। उसने आज वट वृक्ष का रूप धारण कर लिया है। आश्रम में कमोड़, बेडपॅन (शय्या-शौचपात्र), एनीमा, गरम पानी की रबर की थैली, घाव बाँधने की पट्टी सरीखे साधनों के अतिरिक्त सोडा- बॉय-कार्ब, आयोडीन, फल, दूध, नमक, फल, तरकारियाँ, सूखे मेवे, एरंड (रेंड़ी), मूँगफली, तिल, अलसी, सरसों का तेल और शहद आदि बराबर काफी मात्रा में रहते। सादे रहन-सहन और गरीबी का जीवन व्यतीत करने के पक्षपाती होते हुए भी रोगी या बीमार व्यक्तियों के लिए बापू फलों की व्यवस्था करते और अपने हिस्से के फल प्राय: उनको दे देते। कभी-कभी वे मरीजों को केवल फलों के रस पर रखते। सेवाग्राम में रहते हुए बापू प्रात:-सायंकालीन वायु-सेवन के लिए जाते और वहाँ जाते या वहाँ से लौटते समय नित्य रोगियों की सेवा और परिचया के निमित्त उनके पास जाते। उनकी चिकित्सा तथा परिचर्या के विषय में वे विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त करते, उनको उपयोगी सुझाव देते और उनके लिए आवश्यक साधन जुटाते। इस कार्य में उनको लगभग पौन घंटा लगता। कभी-कभी डेढ़ घंटा भी लग जाता। सन् 1938-39 के लगभग सेवाग्राम आश्रम में यरवदा जेल के बापू के साथी तथा संस्कृत के महान विद्वान एवं कवि दत्तात्रेय वासुदेव शास्त्री परचुरे ऐसे कुष्ठरोगियों में थे, जो समाज से वहिष्कृत और तिरस्कृत अवस्था में अनेक वर्षों तक यत्र-तत्र भटक चुके थे। उन्हें गलित कुष्ठ था । अन्य रोगियों की देख-रेख कर बापू उनके पास अवश्य जाते और उनकी हालत चिंताजनक हो जाने पर वे खुद अपने हाथों से उनकी मालिश और मरहम- पट्टी करते, उनके घावों को प्रतिदिन धोते और उनके लिए विशेष आहार की व्यवस्था करते। उनके भोजन की थाली दिन में तीन बार बापू के सामने लाई जाती। उनकी स्वीकृति मिलने पर ही शास्त्रीजी उसे ग्रहण करते। बापू ने उनके लिए आश्रम के निकट ही एक कुटी बनवा दी थी। उनकी परिचर्या तथा सुख-सुविधा का वे विशेष ध्यान रखते।

क्रमश: ...

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे केजरीवाल और भगवंत मान

रायपुर। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संजोयक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रहे है। उक्त जानकारी प्रदेश प्रभारी संजीव झा ने दी। उन्होंने बताया कि पार्टी इसकी तैयारी में अभी से जुट गई है। झा ने बताया कि पार्टी पदाधिकारियों के साथ 30 मई को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह को लेकर चर्चा की गई जिसमें प्रदेशभर के करीब पांच हजार से अधिक पदाधिकारी शपथ लेंगे। पार्टी के संगठन मंत्री एवं राज्यसभा सांसद डा. संदीप पाठक उन्हें एक साथ शपथ दिलाएंगे। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष आकांक्षा सिंह, आनंद प्रकाश मिरी, गोपाल साहू, प्रदेश महासचिव वदूद आलम एवं मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्यसभा के उप-नेताप्रतिपक्ष प्रमोद तिवारी 27 को आएंगे छत्तीसगढ़

रायपुर। राज्यसभा के उप-नेताप्रतिपक्ष प्रमोद तिवारी 27 मई, शनिवार को इंडिगो के नियमित विमान सेवा द्वारा सुबह 9 बजे रायपुर पहुंचेंगे एवं सर्किट हाउस के लिये रवाना होंगे। दोपहर 12 बजे राजीव भवन रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित करेंगे। शाम 5.40 बजे रायपुर से नई दिल्ली के लिये रवाना होंगे।

रीपा का मुख्यमंत्री ने किया भ्रमण महिलाओं के उद्यम की सराहना की

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज यहाँ शहीद गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र कुम्हरावंड जगदलपुर में महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा)के बस्तर संभाग स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला में शामिल हुए। रीपा के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के लोगो को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों एवं उत्पादन के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में इस पार्क की स्थापना की गई है। योजनांतर्गत 2 करोड़ रु प्रति औद्योगिक पार्क के मान से राशि स्वीकृत की गई है। बस्तर संभाग के बस्तर, दन्तेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर, कांकेर सुकमा ,एवं कोंडागांव जिले के प्रतिभागी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने रीपा से जुड़े महिला स्वसहायता समूह को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों की सराहना की।

निक्षय रथ को मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

रायपुर। निक्षय मित्र टीबी मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत 6 माह तक मरीजों का ईलाज चलने के दौरान पोषण आहार दिया जाएगा जिसमें जनभागीदारी के द्वारा टीबी मरीजों को पोषण आहार प्रति माह 1 हजार रुपये के दर पोषण किट दी जा रही है निक्षय रथ के माध्यम से जागरूक किया जा रहा।

अधिकारी जिला फेडरेशन के कर्मचारी मांगों को लेकर मिले विधायकों से

रायपुर। अधिकारी जिला फेडरेशन के कर्मचारियों ने मांगों को पूर्ण करवाने के लिए मुख्यमंत्री के नाम विधायक कुलदीप जुनेजा, संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, महापौर एजाज ढेबर के कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल में उमेश मुदलियार जिला संयोजक फेडरेशन रायपुर, चंद्रशेखर तिवारी संभागीय संयोजक फेडरेशन रायपुर, पंकज पांडे प्रदेश अध्यक्ष स्वस्थ बहुउद्देशीय संघ रायपुर, अजय तिवारी संरक्षक तृतीय वर्ग संघ रायपुर, ऋचू परिहार प्रदेश अध्यक्ष महिला पर्वेक्षक संघ रायपुर, राम चंद्र टांडी जिला अध्यक्ष तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ रायपुर, नरेश वाढेर उपप्राताध्यश तृतीय वर्ग संघ रायपुर, विमल चंद्र कुंडू प्रदेश संयोजक पीएच इ नारायण बाघ जिला उपाध्यश, पिताम्बर पटेल उप संयोजक फेडरेशन रायपुर, साहिल मुदलियार, मनोज सोना प्रदेश संयोजक ऑपरेटर संघ, विश्वजीत मालिक उपस्थित थे।

पप्पू ढिल्लन को कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल

रायपुर। शराब घोटाला मामले में ईडी की गिरफ्त में रहे कारोबारी त्रिलोक सिंह (पप्पू) ढिल्लन को 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें रिमांड खत्म होने के बाद न्यायधीश अजय सिंह की विशेष अदालत में पेश किया जहां करीब 1 घंटे चली सुनवाई चली।

छग में 2 अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार ट्रेन से कर रहे थे गांजा की तस्करी

रायपुर। रायपुर रेलवे पुलिस ने गांजा तस्करी करते दो आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली और चंडीगढ़ के 2 अंतर्राज्यीय आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 48 किलो गांजा जब्त किया गया है। इसकी कुल कीमत 5 लाख रुपए आंकी जा रही है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली निवासी रॉकी और चंडीगढ़ निवासी विशाल पुरी को रेलवे पुलिस ने एलटीटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस में पकड़ा। दोनों आरोपियों को ट्रेन की बोगी में गांजा तस्करी करते गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई कर रही है।

कोरोना मरीजों की संख्या में गिरावट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना की संख्या में अब लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। प्रदेशवासियों को कोरोना से काफी राहत मिली है। पिछले कई दिनों से कोरोना की रफ्तार थम गई है। वहीं छत्तीसगढ़ में आज 1950 सैंपल की जांच हुई जिसमें 21 नए कोरोना संक्रमित मिले। पॉजिटिविटी दर 1.08 प्रतिशत है।

झीरम कांड की बरसी पर भावुक हुए मुख्यमंत्री

भूपेश ने परिजनों से कहा- जो वार किए गए, पूछ रहे हैं, हमको न्याय कब मिलेगा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में हुए झीरम घाटी हमले में शहीद कांग्रेस नेताओं और जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गुरुवार को जगदलपुर पहुंचे। यहां पर शहीदों के परिजनों और उनकी पत्नियों से मुलाकात के बाद भावुक हो गए। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि, जो वार किए गए, वो पूछ रहे हैं, हमको न्याय कब मिलेगा। कहा कि नक्सली रमन्ना और गणपति का नाम एफआईआर में था। कोर्ट के आदेश पर संपत्ति कुर्क की गई। फिर मई में केंद्र में भाजपा की सरकार बनी, लेकिन सितंबर में इन नक्सलियों के नाम हटा दिए गए। किसके कहने पर ऐसा हुआ, इसकी जांच होनी चाहिए। मुख्यमंत्री बघेल ने केंद्र की भाजपा सरकार पर नक्सली गणपति और रमन्ना को बचाने का आरोप लगाया। कहा कि, अगर

वो पकड़े जाते तो सच्चाई सामने आती कि उस षडयंत्र के पीछे कौन लोग हैं। केंद्र की सरकार न तो हमको इसकी जांच हमें कर रही है और न ही खुद जांच कर रही है। षडयंत्रकारियों को बचाने का प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि, जब तक न्याय नही मिलेगा, तब तक लड़ाई जारी रखेंगे। कहा कि, पूरी कांग्रेस पार्टी शहीद परिवारों के साथ है। सभी प्रकार के नक्सलवाद और हिंसा का डटकर सामना करते हुए राज्य को शांति का टापू बनाएंगे।

इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लाल बाग मैदान में बने झीरम मेमोरियल पहुंचे। वहां मुख्यमंत्री समेत सभी नेताओं ने झीरम घाटी में नक्सल हिंसा के शिकार हुए जनप्रतिनिधि, सुरक्षा बल के जवान और विगत वर्षों से लेकर वर्तमान तक नक्सल हिंसा में शहीद हुए अन्य सभी नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहीदों की याद में दो मिनट का मौन रखा। इसके बाद प्रदेश को शांति का टापू बनाने का संकल्प दिलाया। मुख्यमंत्री शहीदों के परिजनों से मुलाकात की और शॉल और श्रीफल भेंट किया। फिर कृषि महाविद्यालय पहुंचे और वीर गुंडाधुर की प्रतिमा का अनावरण किया।

सीएम ने कहा- अनसुलझे सवाल आज भी जिंदा

मुख्यमंत्री बघेल ने झीरम हमले में मारे गए और शहीदों को नमन कर विनम्र श्रद्धांजलि दी है। कहा कि, झीरम घाटी में 25 मई 2013 को हुए नक्सल हमले में शहीद हमारे नेताओं और जवानों की शहादत को हम सबका प्रणाम। आज पूरा प्रदेश जब झीरम श्रद्धांजलि दिवस मना रहा है, तब सब अनसुलझे सवाल आज भी जिंदा हैं। हम सब राज्य को शांति का टापू बनाने की अपनी शपथ को दोहराते हैं।

इमोशनल शोषण कर रही भूपेश सरकार : भाजपा

रायपुर। आज झीरम कांड शहादत दिवस पर छत्तीसगढ़ की राजनीति गरमाई हुई है। बीजेपी-कांग्रेस में आरोपों का सिलसिला जारी है। बीजेपी के सीनियर नेता अजय चंद्राकर ने मामले में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि मुझे बड़े ही दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि सीएम भूपेश बघेल ने इस विषय को राजनीतिक विषय बना लिया है। वे अपनी ही पार्टी के परिवारजनों का भावनात्मक शोषण कर रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस ने बीजेपी के आरोपों का पलटवार किया है। कांग्रेस ने कहा कि झीरम शहादत की 10वीं वर्षगांठ पर बीजेपी नेताओं की ओर से की गयी बयानबाजी बेहद ही स्तरहीन और आपत्तिजनक है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के चेयरमैन सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, भाजपा प्रवक्ता अजय चंद्राकर ने जीरम मामले में बयानबाजी कर भाजपा के बेशर्म चरित्र को प्रदर्शित किया है। झीरम घाटी हमला एक ऐसा हत्या कांड था जिसने कांग्रेस के नेतृत्व की एक पूरी पीढ़ी को ही समाप्त कर दिया था। स्वतंत्र भारत में हुई दुर्दान्त और हृदय विदारक घटना भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में डॉ. रमन सिंह के राज में घटित हुई थी। इस क्रूर हत्याकांड के लिये भाजपा और उसकी राज्य सरकार जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में खुलासे के लिये रमन सिंह सहित तत्कालीन गृहमंत्री, तत्कालीन जिम्मेदार पुलिस के अधिकारियों का नार्को टेस्ट कराया जाये। भाजपा झीरम की जांच नहीं होने देना चाहती है। जीरम न्यायिक आयोग की जांच पर रोक के लिए पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक स्टे लेकर आये थे। भाजपा सच के आ जाने पर बेनकाब होने से डरती है। रमन सिंह से जैसा क्रूर शासक आजाद भारत में आज तक नहीं हुआ। एक साथ विपक्ष के 31 नेताओं की हत्या हो गयी और तत्कालीन सरकार सच सामने आने देने से रोकने में पूरी ताकत लगा रखी थी। भाजपा के बड़े नेता झीरम की जांच को रोकने लगातार कोशिशें कर रहे हैं, उससे साफ है कि झीरम के पीछे तत्कालीन भाजपा सरकार की भूमिका संदिग्ध है।

जिले में तेजी से चल रहा तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य

एमसीबी। कलेक्टर नरेंद्र कुमार दुग्गा के निर्देशन तथा डीएफ़ओ एल एन पटेल के मार्गदर्शन मे शासन का महत्वाकांक्षी तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य चल रहा है। प्राथमिक वनोपज समिति बेलबहरा के अन्तर्गत आने वाले फड़ पिपरिया मे ग्राम डंगौरा निवासी शिवभजन तेंदूपत्ता बेचने के लिए आए थे। शिवभजन ने बताया कि राज्य शासन के द्वारा वनवासियों के लिए तेंदूपत्ता का दाम 2500 रुपया से बढ़ाकर 4000 रुपया कर दिया गया है। हम घर के कामों के साथ तेंदूपत्ता तोड़ाई का कार्य भी कर लेते हैं। इससे हमे अतिरिक्त आय प्राप्त हो जाती है। तेंदूपत्ता का दाम बढ़ाने के लिए हम मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद देते हैं।

ज़िला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित के पदेन प्रबंध संचालक एल एन पटेल ने बताया कि जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर मे तेंदुपत्ता संग्रहण वर्ष 2023 के दौरान कुल 15 समितियों के माध्यम से प्रतिदिन तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य

किया जा रहा है। तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य 43 हजार 500 मानक बोरा निर्धारित किया गया है जिसके विरुद्ध 21 हजार 201 मानक बोरा संग्रहित किया गया है जो कुल ख़रीदी का 48.74: है। तेंदूपत्ता को आदिवासियों का हरा सोना कहा जाता है। ज़िले मे वास्तविक तेंदूपत्ता संग्राहकों की संख्या 27 हज़ार 262 है। समस्त समितियों मे तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य तेज गति से चल रहा है। तेंदूपत्ता की खेती मे छत्तीसगढ़ राज्य को अग्रणी माना जाता है। राज्य मे इसे हरा सोना भी कहा जाता है। इस पत्ते का सबसे ज्यादा उपयोग बीड़ी बनाने मे किया जाता है। ग्रामीणों के लिए तेंदूपत्ता का व्यवसाय आय का अतिरिक्त साधन है।

हिन्दू रक्षा समिति की सजगता से ट्रक छोड़कर भागे पशु तस्कर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में पशु तस्करों के हौसले एक बार फिर से बुलंद होने लगा है। बीती रात तखतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लिदरी भद्रा खार में जब पशु प्रेमियों ने ऐसे ही दो संदिग्ध ट्रकों को रोका तो इसके चालक भाग निकले। ट्रकों की जांच करने पर इनमें 60 मवेशी पाए गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हिन्दू रक्षा की टीम को सूचना मिली थी कि दो ट्रकों में भारी संख्या में मवेशियों को बूचड़खाना ले जाया जा रहा है। इस पर टीम के सदस्यों ने तत्काल तखतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम अरईबंद के पास ग्रामीणों के सहयोग से घेराबंदी की। इसी दौरान दो ट्रक संदिग्ध अवस्था में आता देखा। टीम के सदस्यों ने जब ट्रक को रूकवाने का प्रयास किया तो ट्रक चालक व परिचालक वाहन छोड़कर भाग निकले। ट्रकों की जांच करने पर इनमें 60 मवेशी मिले, जिन्हें बूचड़खाना ले जाया जा रहा था। ट्रक क्रमांक पीबी 13 बी एल 7401 तथा ट्रक क्रमांक सीजी 10 डीजी 1525 को पुलिस ने जब्त कर लिया है।

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरने पर बैठे पटवारी, कामकाज प्रभावित

सक्ती। राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ के आह्वान पर तहसील सक्ती, बाराद्वार, जैजैपुर, हसौद के तहसील इकाई पटवारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर आज शानदार तीसरा दिन अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठ गए हैं।

ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ में लगातार शासकीय कर्मचारियों अधिकारियों के संगठन द्वारा अपनी मांगों को लेकर शासन स्तर को अवगत कराया जाता रहा है, वहीं मांगो पर विशेष ध्यान नहीं मिलने से संघ द्वारा हड़ताल का रास्ता अख्तियार किया जाता है, ऐसे ही राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ द्वारा भी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर 15 मई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर आज तीसरा दिन चले रहा हैं। हाल ही में ग्राम सचिव हड़ताल से वापस आए हैं, उनके हड़ताल पर रहने से आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा, वहीं पटवारियों के हड़ताल से भी कहीं ना कहीं आम नागरिकों को परेसानी होने वाली है। पटवारियों के इस अनिश्चितकालीन हड़ताल में उनकी मुख्य मांग है कि वेतन विसंगतियों को दूर करते हुए ग्रेड पे 2800 किया जावे, राजस्व निरीक्षक पद पर वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति किया जाए, संसाधन एवं नेट भत्ता दिया जाए, मंहगाई के अनुरूप स्टेशनरी भत्ता दिया जाए, अतिरिक्त प्रभार वाले हल्के के पटवारियों को मूल वेतन का 50: अतिरिक्त हल्का भत्ता प्रदान किया

जावे, पटवारी भर्ती हेतु योग्यता स्नातक की जाए, मुख्यालय निवास की बाध्यता समाप्त की जाए एवं बिना विभागीय जांच के प्राथमिकी (एफ्आईआर) दर्ज न कि जाए। अपनी इन 8 सूत्रीय मांगों को लेकर पटवारी संघ लामबंध होकर तहसील स्तर पर स्थानीय इकाइयों के माध्यम से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठा है, सक्ती में भी पटवारी संघ जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने आज तीसरा दिन टेंट लगा बैठ गया है। इस अवसर पर राजस्व पटवारी संघ शाखा सक्ती के अध्यक्ष प्रमोद चंद्रा, संरक्षक सत्यनारायण राठौर, हेमंत देवांगन, जय देवांगन, बाराद्वार अध्यक्ष मनहरण राठौर, जैजैपुर अध्यक्ष प्रमोद यादव, हसौद अध्यक्ष छत्रपाल सहित वरिष्ठ पटवारी अमित त्रिपाठी, विनय पटेल, हरिशंकर, रामेंद्र, महेंद्र, नमेंद्र, सुनील, रामकुमार, राहुल, कुंजन, जवाहर, मेहुल, भूपेंद्र बरेठ, सब्बीर, सुनीता राठिया आदि उपस्थित थे।

ओबीसी महासभा को मुख्यमंत्री से मिलने का अवसर नहीं दिया, सत्कार अधिकारी की करेंगे शिकायत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कोरबा जिले के रामपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक में ओबीसी महासभा के प्रतिनिधियों को शामिल होने का अवसर नहीं देने को लेकर महासभा के प्रतिनिधियों ने आक्रोश जाहिर किया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गत 22 मई को जिले के रामपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर थे। ग्राम चिर्रा में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के बाद ग्राम कुदमुरा में सामाजिक संगठनों के साथ उनकी बैठक आयोजित थी। इस बैठक में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। लेकिन ओबीसी महासभा के जिले के पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री से रूबरू होकर अपनी बातें रखने का अवसर नहीं मिला।

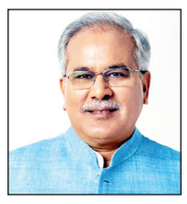

महासभा के पदाधिकारियों ने बताया की 18 मई को उन्होंने सत्कार अधिकारी को लिखित आवेदन देकर मुख्यमंत्री की सामाजिक संगठनों की बैठक में शामिल होने की अनुमति मांगी थी। उन्हें भरोसा था कि मुख्यमंत्री से वे रूबरू हो सकेंगे और ओबीसी समुदाय कि समस्याओं और जरूरतों पर चर्चा कर सकेंगे। कार्यक्रम आयोजन तक ओबीसी महासभा कोरबा इकाई के पदाधिकारियों को सत्कार अधिकारी की ओर से बैठक में शामिल होने की कोई सूचना नहीं दी गई। महासभा के पदाधिकारी बैठक में शामिल होने की मंशा से ग्राम कुदमुरा पहुंचे। उन्हें उम्मीद थी कि वह भी मुख्यमंत्री की बैठक में हिस्सा ले सकेंगे। लेकिन उन्हें बैठक स्थल में प्रवेश से रोक दिया गया। दर्शन महासभा के प्रतिनिधियों का नाम मुख्यमंत्री की सामाजिक बैठक में शामिल होने वाले प्रतिनिधियों की सूची में शामिल ही नहीं था। महासभा के पदाधिकारियों ने बैठक स्थल में उपस्थित अधिकारियों को अपने आवेदन की पावती दिखाकर बैठक में शामिल होने देने का आग्रह भी किया लेकिन उनकी एक नहीं सुनी गई। अंतत: ओबीसी महासभा के प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री की बैठक में शामिल हुए बगैर निराश होकर वापस लौटना पड़ा। इस घटना के बाद ओबीसी महासभा के पदाधिकारियों में गहरा रोष व्याप्त है। पदाधिकारियों का कहना है कि वह इस मामले की शिकायत प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से करेंगे। महासभा के पदाधिकारियों के अनुसार उनकी संस्था राष्ट्रीय स्तर पर पंजीकृत है। महासभा में लगभग ओबीसी समुदाय के सभी प्रदेशों के और सभी समूह के नागरिक शामिल है। राष्ट्रीय स्तर पर संस्था को समय.समय पर ओबीसी समुदाय का प्रतिनिधित्व शासन और प्रशासन के समक्ष करने का अवसर मिलता रहा है। यह पहला अवसर है जब महासभा को ओबीसी समुदाय की बात छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के समक्ष रखने का अवसर नहीं मिला।

अमृत भारत स्टेशन स्कीम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 49 स्टेशन शामिल

बिलासपुर। रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना नाम से एक नई नीति तैयार की है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत दीर्घकालिक दृष्टिकोण से लगातार स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। यह योजना स्टेशन की आवश्यकताओं के अनुसार दीर्घकालिक मास्टर प्लान तैयार करने और मास्टर प्लान के तत्वों के कार्यान्वयन पर आधारित है। इस योजना से देश के 1275 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण करके उनको विकसित किया जाएगा।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 49 स्टेशन शामिल हैं। इसमें बिलासपुर, रायगढ़, बाराद्वार, चाम्पा, नैला, अकलतरा, कोरबा, उसलापुर, पेंड्रारोड, बैकुंठपुर रोड, अंबिकापुर, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, बिजुरी, ब्रजराजनगर, बेलपहाड़, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, दुर्ग, भिलाई पावर हाउस, भिलाई, बालोद, दल्ली राजहरा, भानुप्रतापपुर, सरोना, मरोदा, मंदिर हसौद, उरकुरा,

भिलाई नगर, बिल्हा, निपानिया, भाटापारा, हथबंद, तिल्दा नेवरा, रायपुर, बालाघाट, चंडाफोर्ट, छिंदवाड़ा, गोंदिया ,राजनन्दगाँव, डोंगरगढ़, भंडारा रोड, नैनपुर, इतवारी, कामठी, मांडलाफ़ोर्ट, सिवनी, तुमसर रोड, वडसा, आमगाँव आदि स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों में छत्तीसगढ़ के 30,मध्य प्रदेश के 9, महाराष्ट्र के 8 और ओड़िशा के 2 स्टेशन शामिल हैं।

यह योजना स्टेशन की आवश्यकताओं के अनुसार दीर्घकालिक मास्टर प्लान तैयार करने और मास्टर प्लान के तत्वों के कार्यान्वयन पर आधारित है। इसके अंतर्गत दीर्घकालिक दृष्टिकोण से लगातार स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इसका उद्देश्य रेलवे स्टेशनों पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं से इतर सुविधाओं को बढ़ाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना है। इसे लक्ष्य के साथ चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। स्टेशन पर नई सुविधाओं की शुरुआत के साथ ही पुरानी सुविधाओं को भी अपग्रेड किया जाएगा।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे उन सभी महत्वपूर्ण यात्री केन्द्रित पहलुओं को बेहतर बनाने की कोशिश करेगी। इसमें मुख्य रूप से स्टेशनों तक पहुंचने में सुधार, मुफ्त वाई-फाई ,वेटिंग रूम और शौचालयों जैसे जगहों को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया जायेगा साथ ही स्टेशनों पर यात्रियों के लिए बेहतर सूचना प्रणाली, जैसी व्यवस्था भी इस मास्टर प्लान में शामिल है। इसके अलावा स्टेशन के पास अवांछित संरचनाओं को हटाकर सड़कों को चौड़ा किया जायगा। मानकीकृत साइनेज, पैदल मार्ग और सुनियोजित पार्किंग क्षेत्र की व्यवस्था की जायगी। इस योजना में महिलाओं और दिव्यांगों का भी ध्यान रखा गया है।

भूमकाल आंदोलन के नायक गुंडाधुर की मूर्ति का मुख्यमंत्री ने किया अनावरण

- कुमरावंड स्थित शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय परिसर में किया गया मूर्ति की स्थापना

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल अपने एक दिवसीय बस्तर प्रवास के दौरान कुमरावंड स्थित शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय परिसर में भूमपाल विद्रोह के जननायक रहे वीर गुंडाधुर की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि बस्तर के आदिवासी जननायक में से एक रहे वीर गुंडाधुर ने भूमकाल जैसे महान विद्रोह का नेतृत्व किया। आज उनकी प्रतिमा स्थापित कर उनके योगदान को चिरस्थाई बनाने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय परिसर में प्रतिमा स्थापित होने से हमारे युवा भी उनके अदम्य साहस और वीरता से परिचित हो सकेंगे। बस्तर क्षेत्र में स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आदिवासी संस्कृति के संरक्षण संवर्धन के लिए बस्तर के आदिवासी नायक सदैव मुखर रहे और अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। सरकार भी बस्तर सहित समूचे छत्तीसगढ़ की आदिवासी संस्कृति को सहेजने लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण मद से स्वीकृत राशि दस लाख से निर्मित शहीद वीर गुण्डाधुर की मूर्ति के अनावरण के दौरान मुख्यमंत्री श्री बघेल ग्राम नेतानार से पहुंचे वीर गुंडाधुर के परिजनों में उनके परपोते जयदेव नाग, पुनु नाग, दुलारू नाग, परदेसी नाग से भी मुलाकात की।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा, बस्तर सांसद श्री दीपक बैज, बविप्रा के अध्यक्ष श्री लखेश्वर बघेल, बविप्रा के उपाध्यक्ष श्री विक्रम मंडावी,पूर्व सांसद श्री नंद कुमार साय, संसदीय सचिव श्री रेखचन्द जैन, विधायक नारायणपुर श्री चंदन कश्यप, संजरी बालोद विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा,महापौर श्रीमती सफीरा साहू, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कविता साहू,इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री राजीव शर्मा, संभागायुक्त श्री श्याम धावड़े, आईजी श्री सुंदरराज पी., कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

शहीद वीर गुंडाधुर ने आदिवासियों की धरती को बचाने के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध %भूमकाल' आंदोलन 1910 का नेतृत्व किया था । भूमकाल आंदोलन भूमकाल का अर्थ भूमि में कम्पन या भूकंप से है। भूमकाल एक ऐसा आंदोलन था जिसने सम्पूर्ण बस्तर को हिलाकर रख दिया था। इस आंदोलन के पीछे अनेक कारण थे इनमें वन नीति, अनिवार्य शिक्षा, धर्म परिवर्तन, बेगारी प्रथा, नौकरशाही आदि प्रमुख था। भूमकाल विद्रोह की इतनी सूक्ष्म योजना तैयार की गई थी कि आदिवासियों ने तीर-धनुष और भाला-फरसा के साथ अंग्रेजी सेना का डटकर मुकाबला किया। यही कारण है आज छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पूरा देश वीर गुंडाधुर के शौर्य को जानने लगा है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वीर गुण्डाधुर की स्मृति में साहसिक कार्य और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गुण्डाधुर सम्मान स्थापित किया है।

भूपेश के बयान राजनीति से प्रेरितः डॉ.रमन

झीरम घाटी हत्याकांड में दिवंगत नेताओं और जवानों को दी श्रद्धांजलि

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री तथा भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज पत्रकारों से बात करते हुए झीरम घाटी हत्याकांड में जान गंवाने वाले नेताओं और सुरक्षाबल के जवानों को श्रद्धांजलि दी। साथ ही झीरम मामले में तथा नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा दिए गए बयानों पर पलटवार किया।

पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा झीरम मामले में दिए गए बयान को राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि झीरम घाटी की जांच तत्कालीन मनमोहन सिंह जी सरकार के समय एनआईए के हाथ में सौंपी गई थी और उन्होंने 1500 पृष्ठ की चार्जशीट भी 2014 में दाखिल की, भाजपा सरकार ने भी जाँच आगे बढ़ाने के लिए जस्टिस प्रशांत मिश्र की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग का गठन किया, जिसकी रिपोर्ट राजभवन को 2021 में सौंप दी गई थी, लेकिन सरकार को उक्त रिपोर्ट पर भी भरोसा नहीं है, इसलिए जस्टिस सतीश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में न्यायिक जांच का विस्तार किया गया। इस आयोग का कार्यकाल भी छह-छह महीने कर बढ़ाया जा रहा है लेकिन आज तक कांग्रेस किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँच पाई है। जब एनआईए ने 1500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल कर दी तो इसका सहारा लेकर जांच करने के बजाय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजनीति करने में लगे हैं, असल में उन्हें जाँच से कोई मतलब नहीं है केवल राजनीति करने से मतलब है।

इसके अलावा हाल ही में नए संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा करने को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने इसके विरुद्ध टिपण्णी की थी जिसपर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता के मार्ग पर अग्रसर स्वतंत्र भारत में निर्मित हमारे नए संसद भवन के उद्घाटन पर कांग्रेस पार्टी जिस प्रकार की राजनीति कर रही है वो उनकी छोटी मानसिकता का प्रतीक है।

कांग्रेस से भारत का बढ़ता विकास और गौरव देखा नहीं जा रहा है इसीलिए वह विलाप करके इस शुभ अवसर को बाधित करना चाह रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने नए विधानसभा भवन को लेकर भूपेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की दोहरी मानसिकता का उदाहरण यह है कि अटल नगर में निर्मित हो रहे नए विधानसभा भवन का भूमि पूजन हुआ, तब प्रदेश की तत्कालीन राज्यपाल भी आदिवासी समुदाय की सुश्री अनुसुईया उइके जी थीं। ऐसे समय में राज्यपाल के हाथों भूमिपूजन की जगह मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दिल्ली से राहुल गांधी और सोनिया गांधी को बुलवाकर नए विधानसभा का भूमि पूजन करवाया, यहां तक की शिलान्यास के पत्थर पर आदिवासी समुदाय की अनुसुइया उइके का नाम तक अंकित नहीं किया। यह कांग्रेस की दोहरी मानसिकता और ओछी राजनीति का प्रतीक है।

जीरम के गुनाहगारों को सजा नहीं मिलती कांग्रेस शांत नहीं बैठेगी : कांग्रेस

रायपुर। जीरम की 10वीं वर्षगांठ पर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि जब तक जीरम के गुनाहगारों को सजा नहीं मिलती कांग्रेस शांत नहीं बैठेगी। भाजपा जीरम का सच सामने आने नहीं दे रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा डरती है जीरम का सच सामने आ जायेगा तो वह बेनकाब हो जायेगी। रमन सिंह से बड़ा क्रूर शासक आजाद भारत में आज तक नहीं हुआ। एक साथ विपक्ष के 31 नेताओं की हत्या हो गयी और तत्कालीन सरकार सच सामने आने देने से रोकने में पूरी ताकत लगा रखी थी। भाजपा के बड़े नेता जीरम की जांच को रोकने लगातार कोशिशें कर रहे उसमें साफ हो रहा जीरम के पीछे तत्कालीन भाजपा सरकार की भूमिका संदिग्ध है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि जिस प्रकार से घटना के बाद से ही भाजपा जीरम की जांच रोकने का षडयंत्र कर रही है। उससे यह बड़ा सवाल खड़ा हो रहा कि भाजपा जीरम की जांच क्यों नहीं होने देना चाहती? ऐसा क्या डर है जो बार-बार जीरम की जांच में भाजपा के तरफ से अड़ंगे लगाये जाते है। सीबीआई की जांच नहीं होने दे रहे थे, एनआईए की जांच रोक दिया था। एसआईटी की जांच नहीं होने देना चाहते थे। न्यायिक जांच आयोग की जांच को रोकना चाहते थे।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि जैसे ही झीरम घाटी कांड की जांच की बात आती है पता नहीं क्यों भाजपा के बड़े-बड़े नेता घबराने लगते है, किसी न किसी प्रकार से वे इसकी जांच को बाधित करने में जुट जाते हैं, कभी बयानबाजी करते हैं, कभी आंदोलन करते हैं, कभी कोर्ट की शरण में जाते हैं, पीआईएल दायर करते हैं, यानी किसी भी प्रकार से भाजपा झीरम घाटी की जांच को होने ही नहीं देना चाहती है। भाजपा के नेता इस बात से डरते हैं कि झीरम घाटी कांड की जांच से ऐसा कोई सच निकलकर आ जायेगा जिससे तत्कालीन भाजपा सरकार के किसी कुत्सित चेहरे पर से नकाब उठा जायेगा? भाजपाई इस बात से डरते हैं कि उनके आका, तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की सरकार की नाकामी, उनके द्वारा कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा को सुरक्षा मुहैया करवाने में बरती गई घोर लापरवाही सामने आ जाएगी? भाजपा किस बात से डर रही है? क्या श्री धरमलाल कौशिक इस बात से डरते हैं कि इस नक्सली घटना के पीछे की किसी बड़ी साजिश का पर्दाफाश हो जायेगा।

झीरम का सबूत जेब में होने का दावा करते रहे, खुलासा कब करेंगे?: बृजमोहन

रायपुर। झीरम घाटी हमले को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान को लेकर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने झीरम हमले को लेकर कांग्रेस पर ही आरोपों की झड़ी लगा दी और कहा कि भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली यह कांग्रेस सरकार ऐसी निर्लज्ज और निकम्मी सरकार है जो अपनों की मौत के गुनहगारों को जेल में नहीं डाल सकी,उन्हे सजा दिलाकर बदला भी नहीं ले सकी है।

बृजमोहन ने कहा कि झीरम घटना सिर्फ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के लिए ही नहीं हमारे लिए भी भावनात्मक है। दिवंगत नेता हमारे भी पारिवारिक मित्र थे। रही बात सवाल की तो इस घटना को लेकर हमारे मन में, आम जनता के मन में भी ढेरों सवाल उठते हैं। जिसका जवाब हमे भी मुख्यमंत्री से चाहिए।बृजमोहन ने भूपेश बघेल से पूछा है कि आपने कहा कि नक्सलियों ने पूछ पूछ कर गोली मारी है। आप यह भी बता दीजिए किससे पूछ कर गोली मारी है।आप जनता को यह क्यों नही बताते कि नाम पूछकर जिसको छोड़ा गया आज वो आपके मंत्रिमंडल का प्रमुख सहयोगी है।बृजमोहन ने सवाल किया कि आज छत्तीसगढ़ में संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति ने झीरम घटना के बाद अस्पताल में किस व्यक्ति को झापड़ मारा था?कौन नेता है जो झीरम घटना के बाद वहा से मोटरसाइकिल पर निकला था। भूपेश बघेल और उनकी टीम के लोग दिल्ली जाकर कौन सा वीडियो ऑडियो राहुल गांधी सोनिया गांधी को सुना आए थे?बृजमोहन ने उनसे कहा कि आप तो कहते थे गुनहगारों का नाम जेब में लिए घूम रहा हूं। इतने सालों से किसने आपको रोका है नाम सार्वजनिक करने से? झीरम मामले में राजनीतिक बयानबाजी करके आप लोगों को नही भटका सकते। पूरे देश को पता है कि झीरम घटना के बाद खलबली कांग्रेस पार्टी के भीतर ही मची थी। इस घटना के बाद ही छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी के 2 टुकड़े हुए थे।

इस दौरान चले गंभीर आरोप प्रत्यारोप के दौर को सभी ने देखा है। आज भूपेश बघेल नारकोटेस्ट की बात कर रहे हैं ऐसे में सबसे पहले तो उन्हें अपने मंत्रिमंडल के सहयोगी का नारको टेस्ट कराना चाहिए।

बृजमोहन ने कहा कि सत्य को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती। आपकी कांग्रेस पार्टी का नक्सलियों के साथ कैसा संबंध है यह जग जाहिर है। पूरे देश भर के नक्सलियों के हिमायती आज कांग्रेस पार्टी की गोद में बैठे है।

स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव और अधिकारियों ने ऑस्ट्रेलिया में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का किया अवलोकन

रायपुर।स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव और उनके साथ अध्ययन भ्रमण पर आस्ट्रेलिया गई स्वास्थ्य विभाग की टीम आज सिडनी से लगे शहर परममेटा पहुंची। ऑस्ट्रेलिया के पश्चिमी भाग में स्थित उपनगर हैरिस पार्क 'लिटिल इंडिया' के भारतीय मूल के मेयर श्री समीर पाण्डेय ने वहां टीम का स्वागत किया। स्वास्थ्य मंत्री श्री सिंहदेव और अधिकारियों ने उनके साथ आस्ट्रेलिया में प्राइमरी हेल्थ केयर की स्थिति पर चर्चा की। टीम ने परममेटा से लगे प्राइमरी हेल्थ केयर के भ्रमण के दौरान डॉ. ईश्वर से चर्चा कर ऑस्ट्रेलिया में मुहैया कराई जाने वाली प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। राज्य की टीम ने उन्हें छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी के बारे में बताया। स्वास्थ्य मंत्री श्री सिंहदेव ने परममेटा के मेयर के साथ चर्चा के दौरान वहां दंत चिकित्सकों एवं नर्सिंग के छात्रों के लिए अवसर, कार्यक्षेत्र एवं संभावनाओं के विकल्पों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में डेंटिस्ट और नर्सिंग के विद्यार्थियों को विदेशों में उपलब्ध शोध एवं रोजगार के मौकों के बारे में भी चर्चा की।

ननि वेंटिलेटर पर जनता भगवान भरोसे : मूणत

- रायपुर शहर की समस्याओं से जुड़ी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर आयोजित हुआ घेराव

रायपुर।भाजपा रायपुर शहर जिला ने पश्चिम विधानसभा अंतर्गत आने वाले 2 जोन ज़ोन क्रमांक 1 और 5 का घेराव पूर्व मंत्री राजेश मूणत के नेतृत्व में किया गुरुवार को पहले खमतराई स्थित रायपुर नगर निगम ,जोन क्रमांक 1 कार्यालय का घेराव किया गया उसके पश्चात् ज़ोन क्रमांक 5 ईदगाह भाटा पानी टंकी स्थित ज़ोन कार्यालय का घेराव किया गया पूर्व मंत्री राजेश मूणत की अगुवाई में हुए इस प्रदर्शन के दौरन हज़ारों कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिक ज़ोन कार्यालय पहुँचे और जमकर नारेबाजी की गई पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को रोकने चाक चौबंद व्यवस्था कर रखी थी पर भाजपा कार्यकर्ता प्रशासन की सारी व्यवस्थाओं को धता बताते हुए ज़ोन कार्यालय के मुख्य द्वार ,

पर पहुँच गए प्रदर्शन के दौरान सभी मोर्चा प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता अपने तरीके से विरोध जाहिर

किया युवामोर्चा कार्यकर्ता ठेले में कचरा लेकर पहुँचे एवं सारा कचरा ज़ोन कार्यालय के सामने उड़ेल दिया वही महिलाएं पानी की समस्या के विरोध में खाली मटके लेकर ज़ोन पहुँची और खाली मटके निगम के ज़ोन कार्यालय के मुख्य द्वार पर फोड़े ,श्री राजेश मूणत ने बताया कि नगर निगम का घेराव परमिशन लेकर किया गया था, परंतु पुलिस द्वारा जबरदस्ती कार्यकर्ताओं को रोककर मारपीट की गई,जिसमे कुछ कार्यकर्ताओ को चोट आई है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार के इशारे पर लोकतांत्रिक तरीक़े से तय किये गए शांतिपूर्ण आंदोलन को कुचलने के लिए जनप्रतिनिधियों को जोन कार्यालय आने के लिए रोका गया।

पूर्व मंत्री राजेश मूणत भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रशासन की दमनकारी कार्रवाई का विरोध करते हुए जोन कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए।उन्होंने जोन अधिकारी को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि नगर निगम को सारी व्यवस्था सुधारने के लिए एक महीना का समय देते है। उसके बाद में सुधार नहीं होने पर भाजपा और पश्चिम विधानसभा की जनता के द्वारा नगर निगम मुख्यालय का घेराव किया जाएगा एवं सारे अवैध टैंडर का काम जो नगर निगम महापौर अपने करीबियों को बाँट रहे हैं उन्हें रोका जायेगा ,उन्होंने कहा कि प्रदेश में जब से कांग्रेस की सरकार आई है,जब से प्रशासनिक स्थित प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। राजधानी रायपुर शहर के गली मोहल्लों का हाल बेहाल होता जा रहा है कांग्रेस के जनप्रतिनिधि जनता की उपेक्षा करके भ्रष्टाचार के नित नए तरीकों से अपनी जेब भरने में लगे हुए हैं जनता कांग्रेसी अत्याचार से त्रस्त हो

पर्यावरण संरक्षण के लिए 1 जून को छत्तीसगढ़ में पांच लाख लोग लेंगे शपथ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 01 जून को एक दिन में पांच लाख लोग पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ लेंगे। प्रदेश में मिशन लाईफ कार्यक्रम के अंतर्गत लाईफ स्टाईल फॉर इन्वायरमेंट कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में 01 जून को पर्यावरण संरक्षण के लिये शपथ का कार्यक्रम रखा गया है। लाईफ प्लेज के अंतर्गत पूरे राज्य में एक साथ पांच लाख लोगों द्वारा प्लेज लिये जाने का निर्णय लिया गया है, जिससे कि व्यापक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता लायी जा सके।एक ही दिन में पांच लाख लोग शपथ लेकर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी प्रतिबद्धता दर्शायेंगे। शपथ हिन्दी या अंग्रेजी में समूह या व्यक्तिगत रूप से लेकर उसका वीडियो व फोटो वॉट्सएप नम्बर +91-7415781776, +91-9109028361, +91-7415796619 पर 01 जून को प्रातः 8 बजे से शाम 4 बजे तक भेजी जा सकेगी। पूरे प्रदेश में यदि पाँच लाख लोग एक साथ शपथ लेंगे। या रायपुर जिले से शपथ की संख्या डेढ़ लाख से पार होगी।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

एक व्यक्ति के अहंकार ने राष्ट्रपति को उद्घाटन के अधिकार से वंचित कियाः कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उद्घाटन समारोह से दरकिनार करना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसद के नए भवन का उद्घाटन करने का फैसला लोकतंत्र पर सीधा हमला है। जब नई संसद की नींव रखी गयी तब भी राष्ट्रपति को दूर रखा गया और अब नए संसद भवन के उद्घाटन से भी राष्ट्रपति को दूर रखा जा रहा है, यह न्यायोचित नहीं है।

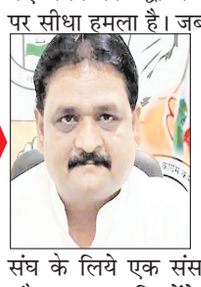

अनुच्छेद 79 के मुताबिक संघ के लिये एक संसद होगी, जिसमें दो सदन और एक राष्ट्रपति होंगे, जिन्हें क्रमशः राज्यों की परिषद और लोगों की सभा के रूप में माना जाएगा। राष्ट्रपति न केवल भारत में देश का प्रमुख होता है बल्कि संसद का अभिन्न अंग भी होता है, फिर प्रधानमंत्री ने उनको संसद के उद्घाटन में नहीं बुलाया, यह अशोभनीय है और राष्ट्रपति के उच्च पद का अपमान है। एक व्यक्ति के अहंकार ने राष्ट्रपति को नए संसद भवन के उद्घाटन के अधिकार से वंचित किया है। कि पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह दलीय प्रतिबद्धता और मोदी को खुश करने की नीयत से गलत बयानी कर छत्तीसगढ़ की विधानसभा के शिलान्यास और राज्यपाल से जोड़कर मोदी सरकार की गलती पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे है।

प्रदेश सरकार की केवल एक ही नीति है, प्रदेश को लूटनाः अरुण साव

रायपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में संपन्न हुई। बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरूण साव, प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय, छत्तीसगढ़ प्रभारी मो. सद्दाम, प्रदेश प्रभारी डॉ. सलीम राज, आरिफ खान, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष शकील अहमद ने प्रदेश कार्यसमिति बैठक में आये पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी द्वारा मोर्चा को जो जिम्मेदारी दी है उसे सभी कार्यकर्ताओं ने तन्मतया से पूरा किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर तरफ माफिया, दलाल एवं भ्रष्टाचार सक्रिय है और यही प्रदेश की कांग्रेस एवं सरकार को चला रहे है। यह सबको पता है कि प्रदेश में कांग्रेस के राज में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है चाहे वह कोयले की दलाली हो या फिर शराब में 2000 करोड़ रुपए का घोटाला हो, इस सरकार की केवल एक ही नीति है प्रदेश को लूटना और गांधी परिवार को खुश करना। श्री साव ने कहा कि प्रदेश के मुखिया एक परिवार में अपना नंबर बढ़ाने के लिए प्रदेश का पैसा मिस्टर कलेक्शन मास्टर बन कर पूरा कर रहे हैं। प्रदेश में हर तरफ भय आतंक एवं भ्रष्टाचार व्याप्त है। शराबबंदी करने का झूठा वादा करके महिलाओं को ठगा, पेंशन देने का वादा करके बुजुर्ग एवं विधवा महिलाओं से छल किया।

कांग्रेस राज में आदिवासी महिलायें खाली पांव कर रही यात्रा : गागड़ा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व वन मंत्री महेश गागड़ा ने तेंदूपत्ता संग्राहकों की दुर्दशा के लिए प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर जमकर निशाना साधा है। श्री गागड़ा ने बिना चप्पल तपती धूप में पत्ता बेचने जा रहीं महिलाओं से ग्राम रामपुर के पास चर्चा करने के बाद कहा कि भाजपा द्वारा तेंदूपत्ता खरीदी जारी रखने की लगातार मांग करने के बावजूद प्रदेश सरकार ने तेंदूपत्ता खरीदी बंद कर दी है और तेंदूपत्ता संग्राहक महाराष्ट्र ले जाकर पत्ता बेचने के लिए विवश हो रहे हैं।

पूर्व वन मंत्री श्री गागड़ा ने बस्तर संभाग में बीजापुर जिले के ग्राम देपला की उन महिलाओं से चर्चा की जो प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा तेंदूपत्ता खरीदी नहीं किए जाने के कारण बिना चप्पल-जूते के तपती धूप में तेंदूपत्ता बेचने महाराष्ट्र की ओर जा रही थीं। प्रदेश सरकार की कुनीतियों ने प्रदेश के लोगों, गरीबों और आदिवासियों के प्रति जिस निर्ममता का दृश्य उपस्थित किया है, उसकी कोई और मिसाल शायद ही देखने को मिले। कांग्रेस सरकार आदिवासियों और गरीबों के नाम पर सियासत करके शेखियां तो खूब बघारती है, लेकिन आदिवासी अंचल में तेंदूपत्ता संग्राहकों के प्रति उसने संवेदनहीनता की सारी हदें पार कर दी है।

चिटफंड घोटाले में कांग्रेस की मिलीभगतः रंजना साहू

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता व विधायक रंजना साहू ने चिटफंड कंपनी घोटाले में कांग्रेस की मिलीभगत होने का आरोप लगाया है। श्रीमती साहू ने कहा कि चिटफंड कंपनियों में निवेश करने वालों के करोड़ों रुपए अब तक पीड़ितों को वापस लौटाने में प्रदेश सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक श्रीमती साहू ने कहा कि 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने प्रदेश की जनता को लुभावने वादों का जो झांसा दिया था, उसमें से एक चिटफंड कंपनियों द्वारा लूटे गए करोड़ों रुपए की पाई-पाई वापसी का वादा भी था। लेकिन जैसा की मुख्यमंत्री ने अपने बयानों में कहा है कि 6 हजार करोड़ रुपए से भी अधिक की लूट के इन मामलों में हुई और कांग्रेस की प्रदेश सरकार साढ़े चार साल के अपने कार्यकाल में अब तक 50 करोड़ रुपए तक भी चिटफंड कंपनियों से वापस निवेशकों को नहीं दिला पाई है। जबकि वादा पूरी राशि वापिस दिलाने का था। श्रीमती साहू ने बालोद में एक चिटफंड कंपनी के डायरेक्टर की गिरफ्तारी का हवाला देते हुए कहा कि इस कंपनी ने 10 हजार लोगों से 11 करोड़ रुपए की लूट की। यह साफ प्रतीत होता है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार खुद इस लूट-घोटाले में शामिल है और कमीशन खोरी की जा रही है। श्रीमती साहू ने कहा कि आए दिन प्रदेश सरकार के घोटालों का भंडाफोड़ हो रहा है, जिसमें चिटफंड कंपनियों का घोटाला भी एक है और अब इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार भी इसमें संलिप्त है।

यूनीपोल घोटाले में सभी भ्रष्टाचारी साथ हैं जांच का नाटक चल रहा हैः श्रीवास्तव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के सरगुजा संभाग प्रभारी एवं रायपुर नगर निगम के पूर्व सभापति संजय श्रीवास्तव ने राजधानी के नगर निगम में हुए 27 करोड़ रुपए के यूनिपोल घोटाले को लेकर कहा कि महापौर एजाज ढेबर समेत भ्रष्टाचार और घोटाले की इस लूट में सभी भागीदार हैं। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि ईडी की जाँच कार्रवाइयों से डरे-सहमे और बदहवास कांग्रेस के लोग अपनी लूट को खुद सामने लाकर अब जाँच की बात कर रहे हैं। निगम के पूर्व सभापति श्री श्रीवास्तव ने कहा कि हर तरफ, हर जगह घोटाला करने वाली कांग्रेस सरकार के सारे नेता ड्रामेबाजी में इतने माहिर हैं कि अभिनेता भी उनसे मात खा जाएँ! प्रदेश में जिस तरह लगातार कांग्रेसियों और उनसे जुड़े लोगों के भ्रष्टाचार की पोल खुल रही है, उसे देखकर स्वयं महापौर ढेबर ने यूनिपोल के 27 करोड़ के घोटाले को सामने लाकर उसका ठीकरा अपने ही अधिकारियों के मत्थे फोड़ने का काम किया है। श्री श्रीवास्तव ने आश्चर्य व्यक्त किया कि जिस यूनिपोल घोटाले को महापौर ढेबर ने स्वीकार किया है, उसकी जांच के लिए बनाई गई जांच समिति में वही अधिकारी, जिन पर संदेह है, शामिल किए गए हैं। यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित करता है कि यूनिपोल घोटाले की लूट में कांग्रेस के लोगों और अफसरों, सबकी मिलीभगत है।

जैविक खाद् बेचकर महिला समूहों ने कमायें 5.29 करोड़

- ग्रामीण महिलाओं के लिए गौठान बने एम्प्लॉईमेंट हब

रायपुर । रायपुर जिले में सरकार की महत्वकांक्षी योजना के तहत गांव-गांव में स्थापित किए गौठान आज ग्रामीण महिलाओं के लिए एम्प्लॉईमेंट हब का रूप लेते जा रहे है। मल्टी एक्टीविटी सेंटर के रूप में इन गौठानों का विकास तो हो ही रहा है, परन्तु सरकार की गौधन न्याय योजना से ही जिले के गौठानों में काम करने वाले महिला समूहों ने 5 करोड़ 29 लाख रूपये का लाभांश अर्जित कर लिया है। किसी एक योजना से इतनी राशि का लाभांश उसकी सफलता को स्वमेव ही सिद्ध करता है। रायपुर जिले में गौधन न्याय योजना के तहत 325 गौठानों में 2 रूपये प्रति किलो

की दर से साढ़े दस करोड़ किलो से अधिक गोबर की खरीदी की जा चुकी है। इसके लिए पशुपालकों को 21 करोड़ रूपये से अधिक का भुगतान भी किया गया है। गौठानों में काम करने वाले महिला स्व-सहायता समूहों ने इस गोबर से 2 लाख 76 हजार क्विंटल से अधिक जैविक खाद का उत्पादन किया है। इसमें से इन महिला समूहों ने 18 करोड़ 60 लाख रूपये से अधिक की 2 लाख 12 हजार क्विंटल से अधिक जैविक खाद की बिक्री भी कर दी है। इस खाद से इन समूहों को 5 करोड़ 29 लाख रूपये का शुद्ध लाभ हुआ है। जैविक खाद बनाने लगे दो स्व-सहायता समूहों को उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला एवं राज्य स्तर पर पुरस्कृत भी किया गया है।

रायपुर जिले के गौठानों में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा गोबर से वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट प्लस जैसे गुणवत्ता युक्त जैविक खाद तो बनाये ही जा रहें है। इसके साथ ही गोबर काष्ट, दिया, गमला, पोताई का पेंट आदि भी गौठानों में बन रहें है। जिले में गौठानों को महिला सशक्तिकरण के बेमिसाल उदाहरण के तौर पर देखा जा रहा है। राज्य सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना से गांवो के सभी वर्ग आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। उन्हें आर्थिक आजादी मिल रही है। गौठानों में विभिन्न आय एवं आजीविका मूलक गतिविधियों के संचालन से महिलाएं स्वावलंबन की राह पर निश्चित रूप से अग्रसर हो रही हैं।

कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिला रायपुर में शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर रूप से होने हितग्राही समय पर लाभान्वित हो रहे हैं। जिले के 326 गौठान में से 325 गौठानों में गोधन न्याय योजनांतर्गत 15 हजार 582 पशुपालकों से 10 लाख 51 हजार 658.14 क्विंटल से अधिक गोबर क्रय किया गया एवं 21 करोड 03 लाख रूपये से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है।

टैटू प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

रायपुर। छ.ग. योग आयोग के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा ने आज रायपुर जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला खनिज न्यास संस्थान, नगर निगम, स्मार्ट सिटी द्वारा कौशल उन्नयन कार्यक्रम के तहत संचालित टैटू प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होकर ट्रेनी टैटू कलाकारों से मिलें। उन्होंने कहा कि स्थानीय संस्कृति से जुड़े इस टैटू कला का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पक्ष हमेशा से ही अनुसंधान व आकर्षण का केन्द्र रहा है। रायपुर में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम से न केवल कलाकारों के कला में निखार आएगा, बल्कि स्वरोजगार से जुड़े कलाकारों के आमदनी भी बढ़ेगी।

स्थानीय आनंद समाज वाचनालय सभाकक्ष में 39 कलाकारों के साथ टैटू प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें तृतीय लिंग समुदाय के 10, पुरुष 19, और 8 महिला टैटू कलाकार प्रशिक्षण हेतु सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण में उन्हें टैटू की उपयोगिता,

इसके कलात्मक इतिहास और आय के सृजन में निपुणता के विभिन्न आयामों की जानकारी दी गई। टैटू मास्टर शैली ने डिजाइन चयन व टैटू के दौरान अपनाए जाने वाली सावधानियों के विषय में भी विस्तार से जानकारी दी। इन कलाकारों को हर व्यक्ति तक टैटू की पहुंच निर्धारित करने में सोशल मीडिया के बेहतर उपयोग के संबंध में भी अवगत कराया गया। 8 जून तक इस प्रशिक्षण का आयोजन प्रतिदिन प्रातः 8 से 11 बजे तक होगा।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.